



तरुण छत्तीसगढ़

आम आदमी का अपना दैनिक अखबार

E-mail:
tarunpressraipur@gmail.com
tarun_press@yahoo.co.in

Web:
www.tarunchhattisgarh.in
facebook.TarunChhattisgarh
phone: 0771-2543112

■ रायपुर, रविवार 25 अक्टूबर 2026 ■ आश्विन शुक्ल पक्ष-15 ■ वर्ष -42 ■ अंक-206 ■ पृष्ठ 8 ■ डाक संस्करण 26 अक्टूबर 2026 ■ मूल्य-2.00 रुपये



आते ही स्मृति ईरानी ने दिखाए तेवर

रायपुर, 25 अक्टूबर ■ तरुण छत्तीसगढ़

प्रदेश प्रभारी बनने के बाद छत्तीसगढ़ में पैर रखते ही स्मृति ईरानी ने कार्यकर्ताओं को सख्त संदेश देकर भविष्य के लिए सचेत कर दिया है.

भा ज पा कार्यकर्ताओं को सख्त संदेश, कहा- बिना बुलाए कोई नहीं पहुंचे भाजपा कार्यालय, अपने-अपने बूथ में करें काम

बिना बुलाई कोई कार्यकर्ता कार्यालय में न आए, रायपुर पहुंचने के बाद भाजपा कार्यालय पहुंची स्मृति ईरानी ने सह प्रभारी सिद्धार्थ शंभू, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा के साथ अन्य पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और आम जनता के साथ जमीन पर बैठकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' सुनी. बता दें कि स्मृति ईरानी अपने दो दिवसीय प्रवास के



दौरान भाजपा पदाधिकारियों के साथ मैराथन बैठकें कर प्रदेश में पार्टी की स्थिति का जायजा लेंगी. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम को सुनने के बाद सुबह 11:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश महामंत्री संगठन और प्रदेश महामंत्रियों के साथ संगठनात्मक बैठक ली. होगी. दोपहर 12:30 बजे से 1:30 बजे तक प्रदेश पदाधिकारियों के साथ समीक्षा और आगामी रणनीति पर चर्चा की.

त्योहारों पर स्वदेशी उत्पाद खरीदने मोदी की अपील

मन की बात: भारतीय उत्पादों को मिल रहे हैं वैश्विक बाजार

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' के 139वें एपिसोड में देशवासियों से स्वदेशी उत्पादों को अपनाने और स्थानीय कारीगरों के बनाए सामान खरीदने की अपील की. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आकाशवाणी से 'मन की बात' कार्यक्रम में देश-विदेश के लोगों से अपने विचार साझा किए. उन्होंने कहा कि त्योहारों के दौरान खरीदारी करते समय स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता देनी चाहिए. पीएम मोदी में इस कार्यक्रम में कहा कि आज से 12 वर्ष पहले इस कार्यक्रम की शुरुआत हुई थी. उन्होंने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी ये यात्रा निरंतर जारी है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि देश में 'वोकल फॉर लोकल' की भावना मजबूत हो रही है और भारतीय

उत्पादों को वैश्विक बाजारों में नयी पहचान मिल रही है. 'मन की बात' कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, "महाराष्ट्र के आदिवासी समुदायों ने अपने उत्पादों की पैकेजिंग पर बहुत ध्यान दिया है. यहां 'शबरी नेचुरल्स' के जरिए शहद, महुआ, चीड़ और बांस से बने उत्पादों को बाजार में लाया जा रहा है. इनकी पैकेजिंग पर आदिवासी कला की छाप देखने को मिलती है. मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में त्योहारों के दौरान लोगों से स्थानीय कारीगरों के बनाए प्रोडक्ट को प्राथमिकता देने की अपील करते हुए कहा कि इससे उनकी मेहनत को प्रोत्साहन मिलेगा और आत्मनिर्भर भारत का सपना साकार करने में मदद मिलेगी. पीएम मोदी ने वोकल पर लोकल का जिक्र करते



वोटों की चोरी को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा: राहुल

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर। राहुल गांधी ने कथित वोट चोरी के खिलाफ 1 नवंबर को रामलीला मैदान में होने वाली इंडी गठबंधन की रैली में शामिल होने की अपील की है। भाजपा ने 1984 के सिख विरोधी दंगों की बरसी का हवाला देकर इस तारीख का विरोध किया है, जबकि व्यापारी संगठनों ने भी त्योहारों में कारोबार प्रभावित होने की आशंका जताई है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने रविवार को भाजपा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने 1 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में होने वाली इंडी गठबंधन की महारैली का प्रचार करने के लिए भाजपा और उसके सहयोगियों का धन्यवाद किया। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लोगों से कथित वोट चोरी के खिलाफ होने वाले प्रदर्शन और 'वोट बचाओ, देश बचाओ' मार्च में बड़ी संख्या में शामिल होने की अपील की। राहुल गांधी ने आरोप

लगाया कि मतदाता सूची से लोगों के नाम हटाए गए हैं और नियमों व कानून का खुले तौर पर उल्लंघन हुआ है। उन्होंने कहा कि देश में वोटों की चोरी की जा रही है और इसे किसी भी कीमत पर चुपचाप बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा, "सवाल पूछने वालों पर लाठियां चलाई गईं, लेकिन हम देश जवाब देगा।" राहुल गांधी ने छात्रों, किसानों, मजदूरों, महिलाओं, युवाओं और कारोबारियों से लोकतंत्र की रक्षा के लिए आगे आने की अपील की। उन्होंने कहा, "वोट आपका है और यह लड़ाई भी आपकी ही है।" इससे एक दिन पहले भाजपा ने 1 नवंबर को होने वाली इस रैली की तारीख बदलने की मांग की थी। भाजपा का कहना है कि 1 नवंबर की तारीख 1984 के सिख विरोधी दंगों की बरसी से जुड़ी है। ऐसे में इस दिन रैली करने से सिख समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंच सकती है।



दुश्मन का कोई ठिकाना सुरक्षित नहीं: एपी सिंह

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर। भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने पाकिस्तान को चेतावनी देते हुए कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पश्चिमी मोर्चे पर किए गए सटीक और नपे-तुले हमलों ने यह साबित कर दिया है कि अब कोई भी लक्ष्य वायुसेना की पहुंच से बाहर नहीं है। जानकारी के अनुसार उन्होंने इस आतंकवाद-रोधी कार्रवाई को वायुसेना की क्षमता-केंद्रित रणनीति की बड़ी सफलता बताया। वायुसेना प्रमुख ने रेखांकित किया कि पश्चिमी सीमा पर संचालित यह सैन्य अभियान लगभग 1200 किलोमीटर की चौड़ाई और 200 किलोमीटर की गहराई तक फैला हुआ था, जिसमें भारतीय जांबाजों ने दुश्मन के ठिकानों पर बेहद सटीक और मारक प्रहार किए। उन्होंने कहा कि इस ऑपरेशन ने देश के प्राथमिक जवाबी रक्षक और एक मजबूत रणनीतिक निवारक के रूप में वायु शक्ति की निर्णायक भूमिका को एक बार फिर से पूरी



दुनिया के सामने साबित कर दिया है। चार दिनों तक चले इस अभियान की अगुवाई करने वाले एयर चीफ मार्शल ने आगाह किया कि इस सफलता के बाद सेना को लापरवाह नहीं होना चाहिए, बल्कि अपनी क्षमताओं को लगातार मजबूत करना होगा। उन्होंने कहा कि इस ऑपरेशन से सबसे बड़ा सबक यह मिला कि हमें हमेशा कई विकल्प खुले रखने चाहिए और दुश्मन के दांव-पेंच बदलते ही तेजी से रणनीति में बदलाव करने में सक्षम होना चाहिए। एक क्षमता-केंद्रित सेना ही ऐसा कर सकती है, क्योंकि वह किसी एक हथियार पर निर्भर न रहकर कई विकल्पों का उपयोग कर सकती है। इसी लचीलेपन की बदौलत वायुसेना तनाव को अपने नियंत्रण में रखते हुए कार्रवाई करने में सफल रही। पहलूगाम आतंकी हमले के जवाब में पिछले साल मई में ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया गया था, जिसके तहत पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले इलाकों में आतंकी

ठिकानों पर सटीक हमले किए गए। यह 1971 के बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के बाद सीमा पार भारत की सबसे साहसिक सैन्य कार्रवाई थी। इस दौरान भारत ने 9 प्रमुख आतंकी अड्डों को निशाना बनाया। पाकिस्तान द्वारा आतंकी संगठनों को पनाह देना जारी रखने पर वायुसेना ने उसके सैन्य ठिकानों पर प्रहार किया, जो रावलपिंडी जैसे सैन्य मुख्यालय के बेहद करीब तक पहुंचे। वायुसेना प्रमुख ने बताया कि भारत में विकसित कुछ हथियार प्रणालियों ने असाधारण प्रदर्शन करते हुए दुश्मन के इलाके में गहराई तक गंभीर चोट पहुंचाई। इसके साथ ही भारतीय वायुसेना ने पूरे अभियान के दौरान आम नागरिकों या जीरो कोलैटरल डैमेज के अपने संकल्प का पूरी तरह पालन किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस अभियान की सफलता किसी एक हथियार या लड़ाकू विमान की वजह से नहीं, बल्कि सटीक खुफिया जानकारी, नेटवर्क ऑपरेशंस, इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर, सटीक मारक क्षमता वाले हथियारों और मजबूत एयर डिफेंस के संयुक्त तालमेल से हासिल हुई।

जेल में आरोपी ने की आत्महत्या की कोशिश!

सूरजपुर, 25 अक्टूबर। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिला जेल में बंद दोहरे हत्याकांड के आरोपी ने आत्मघाती कदम उठाया है। आरोपी के हाथ में धारदार हथियार से कटने के निशान मिले हैं, जिससे हड़कंप मच गया। आनन फानन में उसे अस्पताल लाया गया, जहां इलाज के बाद उसे वापस जेल भेज दिया गया। जानकारी के मुताबिक, आरोपी प्रवेश कुमार को 23 अक्टूबर को गिरफ्तार किया गया था। उस पर केशवनागर में एक शिक्षिका और उसके बेटे की पैसों के लालच में हत्या करने का आरोप है। गिरफ्तारी के बाद उसे न्यायिक हिरासत में सूरजपुर जिला जेल भेजा गया था।

धर्मांतरण पर बजरंग दल ने किया जमकर हंगामा

कोरबा, 25 अक्टूबर। छत्तीसगढ़ के कोरबा में धर्मांतरण को लेकर विवाद खड़ा हो गया। शनिवार रात ट्रांसपोर्ट नगर स्थित होटल में प्रार्थना सभा आयोजित किए जाने की सूचना पर बजरंग दल के कार्यकर्ता पहुंच गए। इसके बाद होटल में जमकर हंगामा हुआ और मारपीट भी हुई। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी।

जानकारी के अनुसार, होटल स्टार इन में 15 कमरे बुक कराए गए थे। बताया जा रहा है कि यहां लाफा, पाली और कटघोरा क्षेत्र के करीब 40 लोग ठहरे हुए थे। इनमें 10 हिंदू परिवार शामिल होने की बात कही जा रही है। बताया जा रहा है कि जॉन मसीह के नाम से कमरे बुक कराए गए थे। होटल में प्रार्थना सभा होने की सूचना मिलने के बाद बजरंग दल के कार्यकर्ता वहां पहुंचे, जिसके बाद विवाद बढ़ गया। बजरंग दल प्रमुख राणा मुखर्जी ने ईसाई मिशनरी पर कथित तौर पर प्रलोभन देकर धर्मांतरण करने का आरोप लगाया है। उन्होंने मानिकपुर स्थित इंडियन प्रेयर चर्च के माध्यम से मतांतरण किए जाने का भी दावा किया है। घटना की सूचना मिलने पर सीएसपी प्रतीक चतुर्वेदी मौके पर पहुंचे। होटल में लोगों को बिना पहचान पत्र के



ठहराए जाने का आरोप भी सामने आया है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। वायरल वीडियो और सामने आए आरोपों के आधार पर घटनाक्रम की पुष्टि और विवाद के कारणों की पड़ताल की जा रही है।

यूएन में भारत ने बेशर्म पाक को फिर लताड़ा

सेना के आदेश का पालन करने की बजाय अपने नागरिकों पर ध्यान दो

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर। भारत ने संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान को कड़ी फटकार लगाई है, जिसमें कहा गया है कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है और पाकिस्तान को अपने अवैध कब्जे वाले सभी क्षेत्रों को खाली करना चाहिए. भारत ने कहा कि पाकिस्तान अपने नागरिकों की सुरक्षा करने में तो नाकाम रहा है, लेकिन इस अंतरराष्ट्रीय मंच का इस्तेमाल प्रोपेगंडा फैलाने के लिए कर रहा है. भारत ने कहा कि पाकिस्तान सेना के निर्देशों का पालन करने के बजाय अपने नागरिकों की भलाई पर ध्यान दे. संयुक्त राष्ट्र महासभा की तीसरी समिति में अल्पसंख्यक मुद्दों को लेकर बातचीत के दौरान संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन के प्रथम

सचिव रघु पुरी ने पाकिस्तान के रवैये पर सवाल उठाए. भारत के स्थायी मिशन के प्रथम सचिव रघु पुरी ने पाकिस्तान के व्यवहार की आलोचना की. उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी प्रतिनिधियों को सैन्य निर्देशों पर चलने के बजाय अपनी जनता की भलाई पर ध्यान देना चाहिए. संयुक्त राष्ट्र महासभा की तीसरी समिति में अल्पसंख्यक मुद्दों को लेकर बातचीत के दौरान संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन के प्रथम सचिव रघु पुरी ने पाकिस्तान के रवैये पर सवाल उठाए. संयुक्त राष्ट्र में भारत ने दोहराया कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न और अटूट हिस्सा है. भारत ने पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के साथ बर्ताव की कड़ी आलोचना की. भारत ने कहा कि

पाकिस्तानी प्रतिनिधियों को सेना के इशारों पर चलने के बजाय अपने ही लोगों की भलाई पर ध्यान देना चाहिए. भारत ने कहा कि पाकिस्तान अपने यहां धार्मिक अल्पसंख्यकों के साथ बुरा बर्ताव कर रहा है, जबकि खुद भारत को धार्मिक स्वतंत्रता, अंतिम संस्कार के अधिकारों और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा पर उपदेश देने की कोशिश कर रहा है. इससे पहले, 23 अक्टूबर को, भारत ने धार्मिक अल्पसंख्यकों के प्रति पाकिस्तान के व्यवहार को लेकर भी उसकी आलोचना की थी, जिसमें इस्लामाबाद पर कमजोर समुदायों की रक्षा करने में विफल रहने और नई दिल्ली को धार्मिक स्वतंत्रता पर व्याख्यान देने का आरोप लगाया गया था.

नागपुर में शख्स ने छाप डाले 37 लाख रुपए के नकली नोट!

नागपुर, 25 अक्टूबर। महाराष्ट्र के नागपुर शहर से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक किराएदार ने बंद कमरे के भीतर ही नकली नोट छापने का पूरा सेटअप लगा रखा था। मकान मालिक के साथ किराए के पैसों को लेकर हुए विवाद और कमरे का ताला तोड़ने के बाद इस पूरे फर्जी नोट रैकेट का खुलासा हुआ। वाटोड़ा थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जब कमरे की तलाशी ली, तो अधिकारियों के होश उड़ गए। कमरे से 500 रुपए के नकली नोटों की गड़िडयां, हाई-टेक प्रिंटर, नोट गिनने की मशीन और आधा-अधूरी छपी करंसी बरामद की गई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, फर्जी नोटों के इस कारोबार को अंजाम देने वाले आरोपी की पहचान पुष्पक कृष्णा भंडारकर उर्फ बंदेने (त्रिमूर्ति नगर, नागपुर निवासी) के रूप में



उसका रेंट एग्रिमेंट खत्म हो गया था, जिसके बाद उसने पिछले कई महीनों से किराया देना बंद कर दिया था। जब मकान मालिक रमेश ने उससे कमरा खाली करने को कहा, तो आरोपी ने उन्हें

चाकू दिखाकर जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद मकान मालिक ने वाटोड़ा पुलिस स्टेशन में एनसी दर्ज कराई थी। कई दिनों तक जब किराएदार कमरे पर नहीं आया, तो शनिवार को मकान मालिक रमेश ने हथौड़े से कमरे का ताला तोड़ दिया। जैसे ही वे अंदर घुसे, नजारा देखकर दंग रह गए। कमरे के अंदर एक बाल्टी में 500 रुपए के जाली नोटों की गड़िडयां ठसापस भरी हुई थीं। कमरे में चारों तरफ नोट छपे हुए कागज के पन्ने बिखरे पड़े थे, साथ में एक प्रिंटर और नोट गिनने की मशीन भी लगी हुई थी। मकान मालिक ने तुरंत इसकी जानकारी वाटोड़ा पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने जब नोट गिनने की मशीन से बरामद नोटों की गिनती की, तो शुरुआती जांच में 37 लाख रुपए मूल्य के 500 रुपए के नकली नोट पाए

गए। इसके अलावा, पुलिस को बड़ी संख्या में ऐसे कागज भी मिले जिन पर केवल एक तरफ नोट छपा था और दूसरी तरफ का हिस्सा कोरा था। छपे और आधे छपे नोटों तथा प्रिंटिंग सामग्री की कुल कीमत लगभग 48 लाख रुपए आंकी गई है। वाटोड़ा पुलिस ने सारा सामान जब्त कर आरोपी पुष्पक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने जब आरोपी से संपर्क करने की कोशिश की, तो पता चला कि वह लोकेशन बदलकर मुंबई भाग गया है। नागपुर पुलिस की एक विशेष टीम को आरोपी पुष्पक को ट्रैक कर गिरफ्तार करने के लिए मुंबई भेजा जा रहा है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि आरोपी अब तक बाजार में कितने लाख रुपये के नकली नोट खपा चुका है और इस रैकेट में उसके साथ कौन-कौन शामिल है।

कार-बाइक टक्कर में महिला की मौत, युवक और दो बच्चे घायल

बालोद, 25 अक्टूबर। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में बालोद-झलमला मुख्य मार्ग पर शनिवार को कार और बाइक के बीच टक्कर हो गई. हादसे में बाइक पर सवार एक महिला की मौत हो गई, जबकि एक युवक और दो बच्चे घायल हो गए. घटना हिरापुर मोड़ के पास की बताई जा रही है. घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया गया. फिलहाल युवक और दोनों बच्चों का इलाज जारी है. हादसे में जान गंवाने वाली महिला और घायल हुए सभी लोग ग्राम अंगारी के निवासी बताए जा रहे हैं.

बालोद-झलमला मुख्य मार्ग पर हिरापुर मोड़ के पास उसकी बाइक को कार ने टक्कर मार दी. टक्कर इतनी गंभीर थी कि बाइक पर सवार चारों लोग हादसे का शिकार हो गए. दुर्घटना में महिला की मौत हो गई, जबकि युवक और दोनों बच्चे घायल हो गए. घटना के बाद घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया गया. फिलहाल युवक और दोनों बच्चों का इलाज जारी है. हादसे में जान गंवाने वाली महिला और घायल हुए सभी लोग ग्राम अंगारी के निवासी बताए जा रहे हैं.

एक

नजर

दूरदर्शन रायपुर से स्वास्थ्य कार्यक्रम का प्रसारण संध्या 06.00 बजे



रायपुर 25 अक्टूबर। दूरदर्शन केंद्र रायपुर से समय-समय पर जनरुचि को ध्यान में रखते हुए विभिन्न विधाओं में कार्यक्रमों का निर्माण और प्रसारण किया जाता है । इसी कड़ी में सोमवार दिनांक 26.10.2026 को संध्या 06.00 बजे मेनोर्पांजु जागरूकता माह पर केंद्रित विशेष कार्यक्रम, डॉक्टर कहत है में, मेनोर्पांजु को समझें, सेहत को सँवारें विषय पर चर्चा का प्रसारण किया जायेगा । इस चर्चा में अंचल की वरिष्ठ स्त्री रोग चिकित्सक डॉ. ऑचल अग्रवाल अपने विचार रखेंगी । कार्यक्रम का संचालन डॉ. हर्षिता शुक्ला कर रही हैं । दूरदर्शन छत्तीसगढ़ के कार्यक्रम प्रमुख श्री नीलम सोना की परिकल्पना एवं निर्देशन में, इस कार्यक्रम के प्रस्तुतकर्ता कार्यक्रम अधिशासी श्री बालकृष्ण श्रीवास्तव हैं । यह कार्यक्रम टाटा प्ले चैनल नं. 1174, डीडी फ्री डिश एवं दूरदर्शन के OTT प्लेटफॉर्म "WAVES" पर देखा जा सकेगा । "WAVES" को android / apple store से डाउनलोड किया जा सकता है 7 कार्यक्रम प्रसारण के बाद दर्शक इसे यू-ट्यूब चैनल डीडी छत्तीसगढ़- पर भी देख सकते हैं ।

सिमगा पुलिस ने एनएच-130 पर गांजा की बड़ी खेप सहित 7 तस्करी को किया गिरफ्तार



बलौदबाजार, 25 अक्टूबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। आपरेशन निश्चय के तहत, पुलिस अधीक्षक बलौदाबाजार-भाटापारा श्री गौरव राय (भा.पु.से.) के कुशल निर्देशन में जिले में नशा तस्करी के खिलाफसंचालित ‘जीरो टॉलरेंस’ अभियान में सिमगा पुलिस को अंतरराज्यीय स्तर पर बड़ी सफलता मिली है। महासमुंद्र और बिलासपुर पुलिस के साथ मजबूत अंतर-जिला समन्वय और सटीक खुफिया इन्पुट के आधार पर एनएच-130 पर त्वरित कार्रवाई करते हुए ओडिशा से उत्तर प्रदेश (प्रयागराज) गांजा ले जा रहे 07 शातिर तस्करी को रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया है। घटनाक्रम एवं त्वरित दबिश:- दिनांक 23.10.2026 को सिमगा पुलिस को पुछ्छा सूचना मिली कि ओडिशा की ओर से एक सफेद स्विफ्ट कार में भारी मात्रा में अवैध गांजा भरकर उत्तर प्रदेश ले जाया जा रहा है। गिर्रोह की कार्यप्रणाली बेहद शातिर थी, तस्क़र पुलिस की गतिविधियों की रेकी करने के लिए स्विफ्ट कार के आगे-आगे एक बलेनो को ‘पायलट वाहन’ के रूप में दौड़ा रहे थे। सूचना मिलते ही सिमगा ओवरब्रिज एवं एनएच-130 पर सघन नाकेबंदी की गई। पुलिस टीम को सामने देखते ही दोनों वाहनों के चालकों ने अचानक रफ्तार तेज कर दी और भागने का प्रयास किया। पुलिस टीम ने फ़ैरन पीछा किया। इस दौरान ग्राम दामाखेड़ा (खुशी वाटिका के पास) एनएच-130 पर तेज रफ्तार स्विफ्ट कार अनियंत्रित होकर सड़क के डिवाइडर से जा टकराई। पुलिस बल ने बिना वक्त गंवाए बिजली की तेजी से घेराबंदी की और मौके से सभी 07 आरोपियों को हिरासत में ले लिया। पहचान की आड़ में तस्करी का प्रयास-पूछताछ में सामने आया कि आरोपियों में से एक व्यक्ति स्थानीय स्तर पर पत्रकार के सहायक के रूप में जुड़ा हुआ था तथा चैकिंग के दौरान इसी पहचान का सहारा लेकर बचने का प्रयास करता था, जबकि अन्य आरोपी कथित चिकित्सक (ग्रामीण प्रैक्टिशनर) के रूप में कार्य करता था। इन्हीं संपर्कों एवं पहचान की आड़ लेकर यह गिर्रोह उड़ीसा से गांजे की बड़ी खेप उठाकर प्रयागराज में खपाने की फ़िराक में था।

राष्ट्रपति भवन में बनेगा ‘इंडियन हर्बल हेरिटेज गार्डन, औषधि पादप बोर्ड ने राष्ट्रपति को सौंपा प्रस्ताव

रायपुर 25 अक्टूबर। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी के छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान लोकभवन रायपुर में आदिवासी स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधी पादप बोर्ड के अध्यक्ष विकास मरकाम के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने जनजातीय स्वास्थ्य परंपराओं के संरक्षण, औषधीय पौधों के संवर्धन और आदिवासी किसानों की आर्थिक आत्मनिर्भरता से जुड़े प्रयासों की जानकारी दी। इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल ने जनजातीय समाज के समग्र विकास, पारंपरिक चिकित्सा ज्ञान के संरक्षण, औषधीय पौधों के संवर्धन तथा ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका के नए अवसर सृजित करने के लिए किए जा रहे प्रयासों की विस्तृत जानकारी साझा की।

मुलाकात के दौरान जनजातीय अंचलों में पीढ़ियों से संरक्षित पारंपरिक स्वास्थ्य परंपराओं और औषधीय वनस्पतियों के महत्व को



रेखांकित किया गया। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि पारंपरिक वैद्यों के अनुभवजन्य ज्ञान का संरक्षण, उनके पंजीयन एवं प्रमाणन की प्रक्रिया तथा औषधीय पौधों के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के प्रयास इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

प्रतिनिधिमंडल के साथ पहुंचे आदिवासी किसानों ने लखपति योजना से अपने जीवन में

निगम ने ग्रामीण क्षेत्र से शहर में लाकर मवेशी छोड़ने वालों को पकड़ा,किया 50 हजार का जुर्माना

■ जानकारी मिलने पर निगम ने मवेशियों को वापस भिजवाया, चेतावनी दी
■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 25 अक्टूबर। मवेशियों के कारण होने वाली दुर्घटना एवं सुगम यातायात के लिए निगम का अमला निरंतर मवेशी धरपकड़ अभियान चलाकर मवेशी पकड़ कांजी हाउस में छोड़ रहे है। आज सुबह ग्राम सिंचोला की ओर से लगभग 50 की तादात में मवेशी लाकर शहर में छोड़ा जा रहा था, जिसकी जानकारी होते ही हल्दी के पास उक्त मवेशियों को पकड़ संबंधित पर 7 हजार 7 सौ रुपये जुर्माना लगा मवेशी वापस भेजा गया। पकड़े मवेशियों में शहर के मवेशी को रेवाडीह कांजी हाउस भेजा गया।

उल्लेखनीय है कि आज सुबह ग्राम सिंचोला से लगभग 50 मवेशी लाकर शहर में छोड़ने की तैयारी थी, जिसकी जानकारी हल्दी के पार्श्वी श्री चंद्रकृत साहू द्वारा आयुक्त श्री जी.आर. मरकाम को दी गयी। जानकारी मिलते ही आयुक्त ने निगम के अमला के साथ हल्दी पट्टुच सभी मवेशियों को एक जगह एकत्रित करा पंबंधित मवेशी मालिको को सिंचोला से बुलवाकर उनपर 7 हजार 7 सौ रुपये जुर्माना लगा मवेशी वापस



भेजे। उन्होने संबंधितो को चेतावनी दी कि अपना मवेशी का उचित प्रबंधन करे, इस प्रकार शहर मे लाकर मवेशी छोड़ने पर कड़ी कार्यवाही की जावेगी। पकड़े मवेशियों में शहर के कुछ मवेशियों को रेवाडीह कांजी हाउस भेजा गया। आयुक्त ने पशु चिकित्सालय के टीम को बुलाकर शहर के पकड़े मवेशी के कान मे लगे टैग के आधार पर पशु मालिक की जानकारी लेकर अर्थदण्ड लगाने हेतु निर्देशित

किया। आयुक्त श्री मरकाम ने कहा कि आज सुबह मार्निंग विजीट के दौरान हल्दी के पार्श्व द्वारा सूचना प्राप्त होने पर तत्काल हल्दी पहुंच शहर में ला रहे मवेशी को रोककर एक स्थान में एकत्रित कर संबंधितो पर अर्थदण्ड लगा मवेशी वापस भेजा गया। मवेशियों के साथ के स्थानीय मवेशियों को रेवाडीह कांजी हाउस में रखा गया है। उन्होंने कहा है कि

बोरियाकला के विद्यार्थियों ने विज्ञान प्रदर्शनी में नवाचार और मॉडल प्रस्तुत कर जीते कई पुरस्कार

रायपुर 25 अक्टूबर। विकासखंड स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी मेले में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बोरियाकला, रायपुर के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए विज्ञान, गणित, नवाचार और रचनात्मकता का शानदार प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए विभिन्न मॉडल एवं पोस्टर दर्शकों के आकर्षण का केंद्र रहे विद्यालय के विद्यार्थियों ने विभिन्न विषयों में अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। जिसमें खिलेंद्र गिलहरे ने ग्रामीण परिवर्तन के लिए विज्ञान विषय पर मॉडल प्रस्तुत किया जिस में उन्हें प्रथम स्थान प्राप्त हुआ सुमित यादव ने गणितीय कंप्यूटर मॉडल में द्वितीय स्थान प्राप्त किया लीना साहू ने पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया इसके साथ ही आशा, कोनिका एवं उनके साथियों ने विज्ञान क्लब की गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया विद्यार्थियों के इन सफल प्रयासों



में व्याख्याता श्रीमती दिव्या त्रिपाठी के मार्गदर्शन और प्रोत्साहन तथा प्राचार्य श्री प्रवीण झा के नेतृत्व व सहयोग की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उनके मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने वैज्ञानिक सोच, नवाचार और रचनात्मक दृष्टिकोण के साथ अपने कौशल का प्रदर्शन किया। विद्यालय

परिवार ने सभी विजेताओं को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, तार्किक चिंतन, रचनात्मकता एवं आत्मविश्वास विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

आए सकारात्मक बदलावों, आय में वृद्धि और आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में प्राप्त अनुभवों को राष्ट्रपति के साथ साझा किया। किसानों के अनुभवों के माध्यम से जनजातीय क्षेत्रों में आजीविका संवर्धन और आर्थिक सशक्तीकरण के प्रयासों की जानकारी भी प्रस्तुत की गई।

इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड के माध्यम से राष्ट्रपति भवन परिसर में ‘इंडियन हर्बल हेरिटेज गार्डन’ स्थापित करने का प्रस्ताव रखा। इस पहल का उद्देश्य भारत की समृद्ध औषधीय वनस्पति विरासत को संरक्षित करने, पारंपरिक ज्ञान को पहचान दिलाने तथा औषधीय पौधों के महत्व को व्यापक स्तर पर प्रदर्शित करने की दिशा में प्रयास करना है।

प्रस्ताव पर राष्ट्रपति ने सहजता से सकारात्मक प्रतिक्रिया व्यक्त की और आगामी समय में इसे साकार करने की दिशा में आश्वासन दिया। यह पहल देश की पारंपरिक स्वास्थ्य

विरासत, जैव विविधता और जनजातीय समाज के पीढ़ियों से संचित ज्ञान को राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण अवसर बन सकती है।

श्री विकास मरकाम के नेतृत्व में हुई इस मुलाकात में जनजातीय परंपराओं के संरक्षण, किसानों की आर्थिक आत्मनिर्भरता और औषधीय पौधों के संवर्धन से जुड़े विषयों को प्रमुखता से रखा गया। प्रस्तावित हर्बल हेरिटेज गार्डन के माध्यम से भारत की प्राचीन औषधीय विरासत और प्रकृति-आधारित पारंपरिक ज्ञान को नई पहचान दिलाने की परिकल्पना प्रस्तुत की गई। प्रतिनिधिमंडल में धमतरी जिला पंचायत सदस्य एवं प्रागतिशील कृषक अजय कुमार ध्रुव, वैद्यराज दशरथ नेताम, वैद्यराज जानकी प्रसाद पुलस्त्य, वैद्यराज रामलाल कुंजाम, कृषक लकेश नेताम, सामाजिक कार्यकर्ता आशू पोंडेटी शामिल रहे।

गांव की जरूरतों को प्राथमिकता, विकास को नई गति:टंकराम वर्मा



■ ग्राम पौंसरी एवं मगरवाय में 46.50 लाख रुपये के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

फि त र द ा - नेवरा/बलौदाबाजार 25 अक्टूबर।

बलौदाबाजार विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पौंसरी एवं ग्राम मगरवाय में लगभग 46.50 लाख रुपये के लागत से होने वाले विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन कैबिनेट मंत्री श्री टंकराम वर्मा एवं अन्य अतिथियों की उपस्थिति में संपन्न हुआ।

इन विकास कार्यों से ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं का विस्तार होगा तथा

स्थानीय ग्रामीणों को इसका प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। गांवों की आवश्यकताओं को प्राथमिकता देते हुए किए जा रहे इन कार्यों से ग्रामीण विकास को नई गति मिलने की उम्मीद है।

बलौदाबाजार विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। सुशासन सरकार गांवों में आवश्यक सुविधाओं के विकास, आधारभूत संरचनाओं के विस्तार तथा ग्रामीणों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

ग्राम पौंसरी एवं ग्राम मगरवाय में हुए इन विकास कार्यों को क्षेत्र के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में सुविधाओं की उपलब्धता बढ़ेगी और विकास कार्यों के माध्यम से गांवों को प्रगति की नई दिशा मिलेगी।

अनमोल सिनेमा पर देखिए दिव्य गाथा 'कांतारा चैप्टर-1': इंसान, प्रकृति और आस्था के अनूठे रिश्ते की कहानी



मुंबई, 25 अक्टूबर। ‘कांतारा चैप्टर 1’ की भव्य गाथा आ रही है अनमोल सिनेमा पर पहली बार, शनिवार, 24 अक्टूबर को शाम 7 बजे। ऋषभ शेठ्टी और रुक्मिणी वंसंत स्टारर यह फिल्म आस्था का उत्सव है, भक्ति की गर्जना है और सिनेमा की एक बड़ी जीत भी, जो भारतीय परंपराओं, भावनाओं और भव्यता का जीवंत चित्रण करते हुए हमारी संस्कृति और आध्यात्मिक जड़ों को सम्मान देती है।

इस कहानी के केंद्र में इंसान, प्रकृति और ईश्वर के बीच दर्शाया गया वह बेहद गहरा रिश्ता है, जो पीढ़ियों से भारतीयों की ताकत रहा है। शानदार विजुअल्स और भव्य स्तर पर बनी यह फिल्म दर्शकों को घने जंगलों के शानदार दृश्यों से लेकर मंत्रमुग्ध कर देने वाले अनुष्ठानों तक ले जाती है, जहाँ हर प्रेम को इतने ध्यान से गढ़ा गया है कि देखने का अनुभव और भी मनमोहक हो जाता है। दमदार अभिनय और इसकी शानदार बॉक्स ऑफिस परफॉर्मेंस में भी साफ

नजर आता है। अलग-अलग भाषाओं और क्षेत्रों में भारी संख्या में दर्शकों ने इसे देखा और यह 2025 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में शामिल हो गई। इसकी सच्चाई, असरदार कहानी और जबर्दस्त विजुअल्स ने सिर्फ देश ही नहीं, बल्कि विश्व भर में दर्शकों को दिलों को गहराई से छुआ और इसे भारतीय सिनेमा की गौरवशाली उपलब्धि बना दिया।

कदंब वंश के दौर में रची-बसी, ‘कांतारा’ यूनिवर्स की यह दूसरी फिल्म, एक प्रीक्वेल के रूप में सामने आती है और दर्शकों को उस कहानी की शुरुआत तक ले जाती है, जहाँ से यह दंतकथा जन्म लेती है। यह दिव्य शक्तियों के मूल और उस योद्धा के उदय की कहानी पेश करती है, जिसे इस धरती और इसके लोगों की रक्षा के लिए चुना गया है। जब लालच और सत्ता की ताकतें इस धरती की पवित्रता को चुनौती देती हैं, तब ये रक्षक मामसूं की रक्षा के लिए खड़े होते हैं और बुराई का अंत करते हैं।

देखिए आस्था की एक दिव्य गाथा ‘कांतारा: द लेजेंड, चैप्टर 1’, अनमोल सिनेमा पर पहली बार, शनिवार, 24 अक्टूबर को शाम 7 बजे।

अदाणी फाउंडेशन ने हरियर स्कूल अभियान चलाकर 4087 लोगों को पौधे बांटे,रोपण कराया

- 15 गाँवों के 37 विद्यालयों में की हरित पहल
- विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ने और ग्रामीण क्षेत्रों में हरियाली बढ़ाने का प्रमुख उद्देश्य
- तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

तिल्दा नेवरा 25 अक्टूबर। विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ने और ग्रामीण क्षेत्रों में हरियाली बढ़ाने के उद्देश्य से अदाणी फाउंडेशन ने 15 गाँवों के 37 विद्यालयों में फलदार पौधा वितरण एवं पौधारोपण अभियान चलाया। अदाणी पॉवर लिमिटेड (एपीएल), रायपुर के सामाजिक सरोकार के अंतर्गत चलाए जा रहे इस अभियान के तहत 3,913 विद्यार्थियों और 174 शिक्षकों सहित कुल 4,087 लोगों को पौधे प्रदान किए गए। विद्यालयों में पौधों के वितरण से अदाणी फाउंडेशन को विद्यार्थियों को उनके संरक्षण और नियमित देखभाल के लिए भी प्रेरित किया गया।

इस दौरान, एपीएल के आसपास के ग्राम मूरा, मोहरगा, निचोली, गौरखेड़ा, गैतरा, ताराशिव, रायखेड़ा, भाटापारा, सोनतारा, खपरी, खम्हरिया, कोनारी, बरतोरी, बहेसर और छतौद के विद्यालयों



को शामिल किया गया। विद्यार्थियों को आम, अमरूद, नींबू, कटहल, चीकू, सीताफल और जामुन सहित विभिन्न प्रजातियों के फलदार पौधे वितरित किए गए। इस पहल के जरिए बच्चों को पौधों के महत्व से परिचित कराने के साथ प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी निभाने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों के प्राचार्यों, प्रधान पाठकों, शिक्षकों एवं जनप्रतिनिधियों ने सहभागिता की। इनमें

श्रीमती गुलाब विश्वकर्मा, श्रीमती प्रीति तिवारी, सुबेसिंह ध्रुव, राजकुमार शुक्ला, सुकेश कुर्, श्रीमती मीना सिरमौर, राजेश नायक, श्रीमती सरिता वर्मा, श्रीमती गंगोत्री साहू, बृजेश कुमार सिंह, श्रीमती संगीता वर्मा, मधुसूदन टंडन, श्रीमती भुवनेश्वरी वर्मा, राजेंद्र चतुर्वेदी, श्रीमती दुरप्रति चंद्रवंशी, पैकरा सर, श्रीमती भारती वर्मा, ज्ञानेश्वर प्रसाद वर्मा, श्रीमती दिनेश्वरी वर्मा, छेदीलाल साहू, अरुण कुमार सिन्हा,

ओमप्रकाश पाटकर, योगेश कुमार साहू, ब्रह्मदेव खिचरिया एवं रमेश बंजारे सहित अन्य शिक्षकगण उपस्थित रहे। अदाणी फाउंडेशन की ओर से सीएसआर टीम की श्रीमती प्रीति प्रजापति, स्विवल इजीनियर रजनी रंजन, सुमित कुमार साहू और उत्थान टीम के सदस्यों ने अभियान के संचालन में योगदान दिया।

अदाणी फाउंडेशन द्वारा करीब एक महीने तक चलाए गए इस अभिनव पहल में

ग्राम रायखेड़ा में शासकीय प्राथमिक शाला के 86, पूर्व माध्यमिक शाला के 167, स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय के 312 तथा हिंदी माध्यम विद्यालय के 261 विद्यार्थियों को पौधे वितरित किए गए। इसके साथ ही गौरखेड़ा, मूरा, ताराशिव, सोनतारा, खम्हरिया, कोनारी, बरतोरी, बहेसर और छतौद में शासकीय नवीन प्राथमिक शाला, प्राथमिक शाला, माध्यमिक शाला और हाई स्कूल सहित कुल 3,652 विद्यार्थियों तथा 174 शिक्षकों को पौधों का वितरण कर उनके ही विद्यालय परिसर में पौधारोपण किया गया। इस पहल के माध्यम से विद्यालय परिसरों और ग्रामीण क्षेत्रों में हरित वातावरण को बढ़ावा देने के साथ विद्यार्थियों को पौधों की नियमित सिंचाई, देखभाल एवं संरक्षण के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया गया। जिससे बच्चों में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी तथा उन्हें प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण की दिशा में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करना है।

अदाणी फाउंडेशन द्वारा अदाणी पॉवर लिमिटेड, रायपुर के आसपास के ग्रामों में आजीविका उन्नयन सहित गुणवत्ता युक्त शिक्षा, स्वास्थ्य एवं अधोसंरचना विकास के कई कार्यक्रमों का संचालन किया जाता है।

दो आदमी कोई भी एक काम करे तो एक सफल होता है और दूसरा असफल होता है।एक की तारीफ होती है, दूसरे की आलोचना होती है।एक को योग्य माना जाता है और दूसरे को अयोग्य माना जाता है।एक की सफलता के लिए तारीफ की जाती है और दूसरे की आलोचना की जाती है।लोकतंत्र में होने वाले चुनाव में भी यही होता है।लोकतंत्र में तय समय पर चुनाव होते है, चुनाव दो दलों व दो गठबंधनों के बीच होता है, दोनों दलों व गठबंधन के नेता के नेतृत्व में चुनाव लड़ा जाता है।दोनों राजनीतिक दल,गठबंधन के नेता जनादेश मांगते हैं।जनता जिस पर भरोसा करती है,उसे जनादेश देती है, वह सरकार बनाता है और सत्ता पर काबिज होता है।और जनहित व देशहित के काम करता है।जनता जिस पर भरोसा नहीं करती है,उसे जनादेश नहीं देती है।जो चुनाव जीतता है, उसे सफल माना जाता है और जो चुनाव हारता है,उसे असफल माना जाता है।

लोकतंत्र में हर पांच साल में केंद्र व राज्य के चुनाव होते हैं, यदि केंद्र का चुनाव कोई नेता तीन बार जीतता है और सरकार बनाता है तो स्वाभाविक है माना तो यही जाएगा कि वह अपने अच्छे जनहित व देशहित के काम के कारण जनता का भरोसा निरंतर जीतता आ रहा है।वह सफल नहीं निरंतर सफल माना जाता है,पाटी व देश की राजनीति में उसका कद निरंतर ऊंचा होता जाता है।इसके विपरीत जो निरंतर तीन

जजरिया

पीएम मोदी ने सच कहा है,कड़वा सच..

चुनाव हार जाता है तो उसे असफल नहीं घोर असफल नेता माना जाता है और पार्टी व देश में भी उसके प्रति भरोसा कम होता जाता है,उसका राजनीतिक कद छोटा होता जाता है। देश में पीएम मोदी लोकसभा का चुनाव तीन बार तथा राज्यों में होने वाले ज्यादातर चुनाव जीतने के कारण देश के सबसे लोकप्रिय व भरोसेमंद नेता माने जाते हैं। वहीं राहुल गांधी लोकसभा के तीन चुनाव और राज्यों के ज्यादातर चुनाव हारने के कारण कम लोकप्रिय व कम भरोसेमंद नेता पार्टी और देश में माने जाने जा रहे हैं। राहुल गांधी जब तक खुद अपनी पार्टी को एक लोकसभा का चुनाव नहीं जिता देते उनकी लोकप्रियता व साख पार्टी के भीतर व देश के भीतर नहीं बढ़ सकती।राहुल गांधी ऐसा अब तक नहीं कर पाए हैं, इसलिए वह जिस काम का कोई फायदा न उनको होता है और न पार्टी को होता है,वही काम करते हैं, पीएम मोदी की रोज आलोचना।वह उनको निरंतर डरपोक,समझौतावादी,सरेंडर करने वाला,कमजोर नेता कहते रहते हैं लेकिन इससे पीएम मोदी की न तो लोकप्रियता कम होती है और न जनता उनकी भरोसा कम होता है।मोदी अच्छा काम करते हैं,उसका फायदा उनको और उनकी पार्टी को होता है ,पार्टी चुनाव जीतीती जाती है और

कांग्रेस नेता राहुल गांधी खाली पीएम मोदी की आलोचना करते रहते हैं,चुनाव जीत नहीं पाते हैं तो मानते नहीं हैं कि अपनी गलती से चुनाव हार रहे हैं। इसके लिए चुनाव आयोग को दोषी ठहराते हैं।वोट चोरी को कारण बताते हैं। देश में आंदोलन के नाम पर अराजकता फैलाने का प्रयास करते हैं। इसका भी पार्टी को कोई फायदा नहीं हो रहा है,इससे भी पार्टी अगले साल होने वाले चुनाव नहीं जीत सकती।चुनाव जीतने के लिए नेता व संगठन दोनों मजबूत होना चाहिए।

राहुल गांधी न तो चुनाव जीतकर खुद को मजबूत नेता साबित कर पा रहे हैं और नहीं संगठन को मजबूत करने की और ध्यान दे रहे हैं। वह मजबूत नेता बनने के लिए क्या नहीं कर चुके हैं,कांग्रेस अध्यक्ष बन देख लिए,भारत जोड़ो यात्रा करके देख लिए,नेता प्रतिपक्ष बन गए,गठबंधन के अधोषित नेता बन गए हैं,संसद के भीतर व बाहर कई बार धरना प्रदर्शन व आंदोलन कर चुके हैं लेकिन वह मजबूत नेता नहीं बन सके हैं।जनता के भरोसे के नेता नहीं बन सके हैं।यही वजह है कि उनकी आलोचना हो रही है,कभी अमित शाह कहते हैं कि राहुल गांधी से की कि तीस साल तक कांग्रेस की सरकार नहीं आने वाली है,शाह तो

कानफोड़ डीजे पर लगाम कब लगेगी?

त्योहारों की आड़ में ध्वनि प्रदूषण, जनस्वास्थ्य पर बढ़ता खतरा और अदालतों के आदेशों की अनदेखी

लेखक-अशोक कुमार साहू

त्योहार खुशियां बांटने, सामाजिक सदभाव बढ़ाने और सांस्कृतिक परंपराओं को जीवंत रखने के अवसर होते हैं, लेकिन जब उत्सवों का शोर दूसरों के लिए पीड़ा, बीमारी और जानलेवा खतरे का कारण बनने लगे, तो उसके तौर-तरीकों पर सवाल उठाना जरूरी हो जाता है। विर्डबना यह है कि धार्मिक आस्था और सामाजिक उल्लास के नाम पर बजने वाले कानफोड़ डीजे तथा लाउडस्पीकों का शोर दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। चिकित्सकों की चेतावनियां, सामाजिक संगठनों के प्रयास और न्यायालयों के स्पष्ट निर्देश भी इस प्रवृत्ति पर प्रभावी अंकुश नहीं लगा पा रहे हैं। राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी, प्रशासनिक उदासीनता और नियम तोड़ने वालों के विरुद्ध कार्रवाई में असमयाना ने समस्या को और गंभीर बना दिया है। सवाल यह है कि आखिर आम नागरिक को शोर से मुक्त वातावरण में जीने का अधिकार कब मिलेगा? छत्तीसगढ़ हो, उत्तर प्रदेश या देश का कोई अन्य राज्य, त्योहारों, धार्मिक जुलूसों, बारातों और सार्वजनिक आयोजनों में शक्तिशाली साउंड सिस्टम के दौरान, फिर दुर्गा पूजा के बाद निकले विसर्जन जुलूसों में तेज आवाज की शिकायतें, इस बात की याद दिलाती हैं कि राजधानी में भी नियमों का पालन सुनिश्चित करना आसान नहीं है। जब बड़े शहरों में न्यायालयों के निर्देशों की अनदेखी होती दिखाई देती है, तो छोटे कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों में प्रशासनिक निगरानी की स्थिति का सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है। बीते वर्षों में अलग-अलग राज्यों से ऐसे समाचार सामने आए हैं, जिनमें अत्यधिक तेज डीजे के आसपास अचानक तबीयत बिगड़ने, बेहोशी, हृदयाघात और मृत्यु की घटनाएं बताई गई हैं। उत्तर प्रदेश के बलरामपुर में गणेश विसर्जन यात्रा के दौरान एक सात वर्षीय बच्ची के बेहोश होने और अस्पताल ले जाते समय मृत्यु की खबर ने सार्वजनिक आयोजनों में बच्चों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े किए। मुजफ्फरनगर, सुलतानपुर और अन्य स्थानों से भी धार्मिक जुलूसों या बारातों के दौरान तेज शोर के बीच लोगों की मृत्यु की खबरें आती रही हैं। मध्य प्रदेश के बैतूल में गणेश विसर्जन कार्यक्रम के दौरान 17 वर्षीय छात्रा प्रतीक्षा वर्मा की अचानक तबीयत बिगड़ने और मृत्यु की घटना भी चिंता पैदा करती है। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर में संजय जायसवाल नामक व्यक्ति के ब्रेन हैमरेज की घटना का उल्लेख भी इसी संदर्भ में किया गया है।हालांकि, इन सभी मामलों में मृत्यु का कारण केवल डीजे की आवाज या कंपन ही था, ऐसा चिकित्सकीय जांच अथवा पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बिना निश्चित रूप से नहीं कहा जा सकता। फिर भी

इन घटनाओं को महज संयोग मानकर नजरअंदाज करना उचित नहीं है। इनकी निष्पक्ष जांच, चिकित्सकीय निष्कर्षों का सार्वजनिक विवरण और आयोजनों के दौरान सुरक्षा मानकों की समीक्षा आवश्यक है। यदि किसी घटना में तेज आवाज या कंपन की भूमिका सामने आती है, तो जिम्मेदार आयोजकों और संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही भी तय होनी चाहिए। चिकित्सा विज्ञान यह स्पष्ट करता है कि अत्यधिक शोर के संपर्क में रहने से तनाव बढ़ सकता है, रक्तचाप प्रभावित हो सकता है, नींद बाधित हो सकती है और हृदय संबंधी जोखिम बढ़ सकते हैं। तीव्र ध्वनि सुनने की क्षमता को नुकसान पहुंचा सकती है। भारी बास वाले साउंड सिस्टम से उत्पन्न कंपन भी आसपास के लोगों के लिए असुविधाजनक और कुछ परिस्थितियों में जोखिमपूर्ण हो सकते हैं। लेकिन हर हृदयाघात या ब्रेन हैमरेज को डीजे से जोड़ देना वैज्ञानिक दृष्टि से उचित नहीं होगा। असली मुद्दा यह है कि संभावित स्वास्थ्य जोखिमों को गंभीरता से लेते हुए एहतियाती कदम क्यों नहीं उठाए जाते? भारत में ध्वनि प्रदूषण रोकने के लिए कानूनी प्रावधानों का अभाव नहीं है। पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 के तहत बनाए गए ध्वनि प्रदूषण (विनियमन एवं नियंत्रण) नियम, 2000 में अलग-अलग क्षेत्रों के लिए ध्वनि की अधिकतम सीमाएं निर्धारित हैं। आवासीय क्षेत्रों में दिन के समय 55 और रात में 45 डेसिबल की सीमा है। औद्योगिक, वाणिज्यिक और शांत क्षेत्रों के लिए अलग-अलग मानक निर्धारित किए गए हैं।सामान्य नियम के अनुसार रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक लाउडस्पीकर और सार्वजनिक संबोधन प्रणालियों के इस्तेमाल पर प्रतिबंध है। निर्धारित शर्तों और सक्षम प्राधिकारी द्वारा अधिसूचित सीमित अवसरों पर इसमें अपवाद हो सकता है। इसका अर्थ यह नहीं है।त्योहार या धार्मिक आयोजन होने मात्र से किसी को मनमाने ढंग से शोर करने की छूट मिल जाती है। अस्पतालों, शिक्षण संस्थानों और न्यायालयों के आसपास अधिसूचित शांत क्षेत्रों में विशेष सुरक्षा का प्रावधान है। सामान्यतः ऐसे क्षेत्रों के लिए 100 मीटर का दायरा निर्धारित किया जा सकता है। ध्वनि की सीमा, अनुमति, समय और शांत क्षेत्र से जुड़े नियमों का पालन कराना प्रशासन की जिम्मेदारी है। इसके बावजूद अनेक आयोजनों में निर्धारित समय से आगे तक डीजे बजते रहते हैं और ध्वनि का स्तर इतना अधिक होता है कि आसपास के घरों में रहना तक मुश्किल हो जाता है।

समस्या कानून की अनुपस्थिति से अधिक उसके असमान और कमजोर क्रियान्वयन की है। कहीं पुलिस समय रहते कार्रवाई करती है, तो कहीं शिकायत मिलने के बाद भी अधिकारी निष्क्रिय दिखाई देते हैं। अक्सर आयोजनों के दौरान पहले से अनुमति लेने, ध्वनि की सीमा तय करने और निर्धारित समय का पालन कराने की व्यवस्था केवल कागज़ों तक सीमित रह जाती है। कार्रवाई तभी होती है, जब विवाद बढ़ जाए या कोई गंभीर घटना सामने आ जाए। यह व्यवस्था बदलनी होगी। ध्वनि प्रदूषण को लेकर सर्वोच्च न्यायालय और विभिन्न उच्च न्यायालय समय-समय पर स्पष्ट कर चुके हैं कि धार्मिक स्वतंत्रता और सार्वजनिक शांति के बीच संतुलन आवश्यक है। सर्वोच्च न्यायालय ने इन िर्नैडज पॉल्यूशन से जुड़े मामलों

कैंसर का दर्द: पेन और पेलिएटिव मेडिसिन से राहत, सुकून और बेहतर जीवन की ओर

कैंसर का नाम सुनते ही मरीज और उसके परिवार के मन में कई तरह की चिंताएँ जन्म लेती हैं। बीमारी के इलाज के साथ-साथ दर्द, कमजोरी, नींद में परेशानी, भूख कम होना, चिंता और भावनात्मक तनाव मरीज के जीवन को और कठिन बना देता है। लेकिन कैंसर की यात्रा केवल बीमारी और उसके इलाज तक सीमित नहीं है। मरीज को कम से कम दर्द, अधिक आराम और सम्मान के साथ जीवन जीने में मदद करना भी उपचार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

यहीं पेन और पेलिएटिव मेडिसिन विशेषज्ञ की महत्वपूर्ण भूमिका सामने आती है। कैंसर में दर्द



अल ग - अ ल ग कारणों से हो सकता है। कभी यह स्वयं कैंसर के कारण होता है, कभी उपचार या सर्जरी के बाद, और कई बार नसों, हड्डिडयों या शरीर के अन्य हिस्सों के प्रभावित होने से

दर्द उत्पन्न होता है। हर मरीज का दर्द अलग होता है। इसलिए हर मरीज के लिए एक जैसा उपचार सही नहीं हो सकता। दर्द विशेषज्ञ पहले मरीज के दर्द को अच्छी तरह समझते हैं—दर्द कहाँ और कितना है, इसकी वजह क्या है और मरीज को किस तरह की मदद चाहिए। फिर उसी के अनुसार इलाज तय किया जाता है।

पेन और पेलिएटिव मेडिसिन विशेषज्ञ का उद्देश्य क्या है?

इसका व्यापक उद्देश्य है—दर्द और अन्य तकलीफों को कम करना, मरीज को अधिक आराम देना, उसकी भावनात्मक परेशानियों को समझना और उसकी जीवन-गुणवत्ता को बेहतर बनाना। कैंसर केवल मरीज को प्रभावित नहीं करता; उसका प्रभाव पूरे परिवार पर पड़ता है। मरीज की चिंता, परिवार की चिंता बन जाती है। मरीज की रातों की नींद, परिवार की भी नींद प्रभावित कर देती है। इसलिए पेलिएटिव केयर में केवल मरीज ही नहीं, बल्कि उसके परिवार को भी समझता है। जब इलाज के साथ सुकून भी जरूरी हो, कैंसर की देखभाल में कम्फर्ट केयर का अर्थ है मरीज की तकलीफों को कम करना और उसे शारीरिक एवं मानसिक रूप से अधिक सहज महसूस कराना। यह टीम मरीज के साथ मिलकर दर्द तथा अन्य परेशान करने वाले लक्षणों जैसे उलटी , कब्ज , डिप्रेशन आदि को नियंत्रित करने का प्रयास करती है। आवश्यकता के अनुसार दवाओं, इंजेक्शंस के द्वारा लक्षणों को सपोर्ट करती है.

उद्देश्य है—दर्द कम हो, आराम बढ़े और

मरीज अपने परिवार के साथ अधिक गुणवत्तापूर्ण समय बिता सके। रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल में पेन और पेलिएटिव मेडिसिन की सेवाएँ सप्ताह के सभी दिनों में उपलब्ध हैं, ताकि कैंसर से जूझ रहे मरीजों को उनकी जरूरत के समय विशेषज्ञ देखभाल और उचित मार्गदर्शन मिल सके। यहाँ देखभाल का केंद्र केवल बीमारी नहीं, बल्कि मरीज स्वयं है।

पेन और पेलिएटिव मेडिसिन के अंतर्गत प्रत्येक मरीज की व्यक्तिगत जरूरतों, दर्द की प्रकृति, आराम, भावनात्मक स्थिति और परिवार की चिंताओं को ध्यान में रखते हुए देखभाल प्रदान करने का प्रयास किया जाता है। कैंसर की यात्रा में हर दिन महत्वपूर्ण है—और हर मरीज को यह महसूस होना चाहिए कि वह इस यात्रा में अकेला नहीं है।

यह टीम परिवार को समझने में मदद करती है कि दर्द और अन्य लक्षणों को कैसे संभाला जाए, मरीज की जरूरतों को कैसे समझा जाए और कठिन परिस्थितियों में उसके साथ कैसे खड़ा रहा जाए। क्योंकि बेहतर कैंसर केयर का मतलब केवल बीमारी से लड़ना नहीं है—बल्कि मरीज और उसके परिवार को इस पूरी यात्रा में साथ लेकर चलना भी है।

जीवन की गुणवत्ता भी उपचार का एक महत्वपूर्ण लक्ष्य है—

कभी-कभी इलाज का सबसे महत्वपूर्ण परिणाम केवल रिपोर्ट में दिखाई देने वाला बदलाव नहीं होता। कभी वह होता है—

- मरीज का पहली बार चैन से सो पाना।
- परिवार के साथ बैठकर भोजन कर पाना।
- अपने प्रियजनों से बिना तकलीफ बात कर पाना।

—कुछ देर मुस्कुरा पाना।

यही छोटे-छोटे पल मरीज और परिवार के लिए बहुत बड़ी राहत बन सकते हैं।

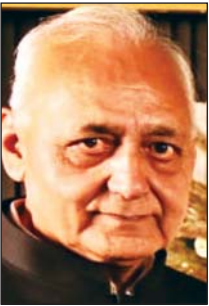
दर्द को छिपाएँ नहीं। दर्द को सहते न रहें। दर्द के लिए विशेषज्ञ की सलाह लें। हमारा लक्ष्य केवल दर्द का इलाज करना नहीं, बल्कि मरीज को बेहतर तरीके से जीने में मदद करना है।

क्योंकि—“कैंसर की बीमारी के बीच भी आराम, सम्मान और अपनों का साथ—हर मरीज का अधिकार है।”

दर्द से राहत
● बेहतर आराम
● बेहतर जीवन-गुणवत्ता
● परिवार का साथ, क्योंकि इलाज केवल बीमारी का नहीं होता—इलाज उन इंसान का होता है जो उस बीमारी के साथ जी रहा है।

डॉ बबलेश महावर
सीनियर विशेषज्ञ पैन एंड पॉलिटोवे मेडिसिन डिपार्टमेंट
रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल

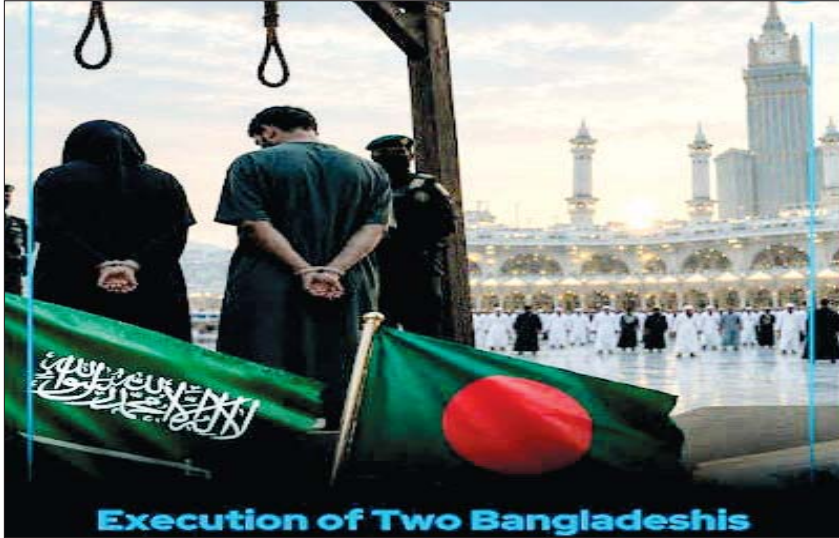
तनवीर जाफ़री



जिले के रहने वाले थे जबकि स्वीटी अख्तर तंगाहल जिले की निवासी थीं। यह दोनों एक दूसरे के दोस्त थे और 2022 के अंत में सऊदी अरब पहुँच कर वहाँ की अल मजाल नामक कंपनी में सफ़ाई कर्मचारी के रूप में काम करने लगे थे। उन्हें मई 2023 में सऊदी अरब की पुलिस ने गिरफ़्तार किया था। उन पर आरोप था कि इन दोनों ने सऊदी अरब के पवित्र शहर मक्का की एक मस्जिद के कमरे में अवैध व अनैतिक रूप से यौन कृत्य किया। बताया जा रहा है कि सुरक्षा अधिकारियों ने इन दोनों को पवित्र शहर मक्का के भीतर एक मस्जिद परिसर में इसी अभद्र कृत्य करने के आरोप में रंगे हाथों गिरफ़्तार किया था। इस मामले में 39 महीने तक यह दोनों जेल में रहे और इस बीच सुनवाई चलती रही। सऊदी गृह मंत्रालय के अनुसार इस घटना की गहन जांच की गई। उसके बाद निचली अदालत में मुक़दमा चला। इसके बाद 13 न्यायाधीशों के पुनर्विचार करने वाले एक उच्च पैनल ने भी इस सज़ा को बरकरार रखा, जिसके बाद ही शाही फ़रमान के ज़रिए इसे लागू किया गया।

सऊदी अधिकारियों के अनुसार, यह अपराध मक्का क्षेत्र में एक पवित्र मस्जिद परिसर के भीतर हुआ था। इस्लाम धर्म में मक्का और वहाँ की मस्जिदों को बेहद पवित्र माना जाता है। सऊदी न्यायशास्त्र के अनुसार, ऐसे स्थानों पर "अनैतिक कृत्य" करना एक गंभीर धार्मिक और क़ानूनी अपराध है, जिसके लिए कठोरतम सज़ा का प्रावधान है। फ़ांसी की यह सज़ा 'ताज़ीर' के तहत दी गई थी। शरिया में ताज़ीर उन अपराधों के लिए होता है जिनकी सज़ा क़ुरान या हदीस में तय नहीं होती, बल्कि न्यायाधीश स्वयं अपराध की गंभीरता और समाज पर उसके प्रभाव को देखते हुए मौत की सज़ा तक का फ़ैसला ले सकते हैं। ताज़ीर क़ानून का अर्थ एक ऐसी सज़ा जो इतिहास में भूली न जा सके और जिसे सुनकर कोई भी व्यक्ति कभी भी ऐसी हरकत करने की भी ना सोचे। इस सज़ा की भले ही बांग्लादेश सहित विभिन्न मानवाधिकार संगठनों द्वारा आलोचना क्यों न की जा रही

हो परन्तु सऊदी अरब के गृह मंत्रालय और न्यायिक अधिकारियों के दृष्टिकोण से इस सज़ा को उनके देश के क़ानूनों के अनुसार उचित माना गया है। फ़ांसी देने के बाद सऊदी गृह मंत्रालय ने अपने बयान में कहा है कि " सऊदी हुकूमत न्याय की रक्षा करने , सुरक्षा बनाए रखने और मस्जिदों की पवित्रता व मर्यादा का उल्लंघन करने वाले या दूसरों के सम्मान को ठेस पहुंचाने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ़ इस्लामी शरीया क़ानून सख़्ती से लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। जो भी ऐसा अपराध करेगा उसका अंजाम यही होगा"। सऊदी अरब का मानना है कि एक संप्रभु राष्ट्र के रूप में उसे अपने देश की सीमाओं के भीतर अपने क़ानूनों को लागू करने का पूरा अधिकार है। गौरतलब है कि वहाँ की न्याय प्रणाली पूरी तरह से इस्लामी शरिया क़ानून पर आधारित है। परन्तु इस घटना के बाद बांग्लादेश और सऊदी अरब के बीच कूटनीतिक तनाव गहरा गया है। बांग्लादेश



सरकार और जेद्दा स्थित बांग्लादेशी महावाणिज्य दूतावास को इस फ़ांसी के बारे में पहले से कोई सूचना या जानकारी नहीं थी। हालांकि ग़त सितंबर में सऊदी अरब द्वारा साझा की गई 2,500 क़ैदियों की सूची में इन दोनों के नाम जरूर थे परन्तु उनके नाम के साथ उन्हें दी जाने वाली मौत की सज़ा का कोई ज़िक्र नहीं था। बल्कि गोपनीय दस्तावेज़ों के मुताबिक स्वीटी अख़्तर पर 'व्यभिचार' और नज़रूल इस्लाम पर 'साइबर अपराध' के अलग-अलग आरोप दर्ज थे। इसीलिये बांग्लादेश ने इस "गुप्त फ़ांसी" पर गंभीर आपत्ति जताई है। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता शाहिदुल करीम और राज्य मंत्री शमा ओबैद इस्लाम ने कहा कि 'वियना कन्वेंशन ऑन कांसुलर रिलेशंस' के तहत यदि किसी विदेशी नागरिक को गिरफ़्तार किया जाता है या मौत की सज़ा दी जाती है, तो उसकी जानकारी संबंधित देश के दूतावास को देना अनिवार्य है। परन्तु सऊदी अरब ने बांग्लादेशी

तरुण छत्तीसगढ़ | रायपुर,रविवार 25 अक्टूबर 2026 | 4

कारण भी बताते हैं कि राहुल गांधी जनता के बीच जाने की जगह विदेश ज्यादा जाते हैं।चुनाव जीतने के लिए, जनता का भरोसा जीतने के लिए नेता को जनता के बीच जाना पड़ता है,उसके लिए काम करना पड़ता है,योजनाएँ बनानी पड़ती है।पीएम मोदी राहुल गांधी की नाम लेकर आलोचना नहीं करते हैं लेकिन वह जब कहते हैं तो लोग समझ जाते हैं कि पीएम मोदी राहुल गांधी के लिए कह रहे हैं।इस बार पीएम मोदी ने कांग्रेस व राहुल गांधी की सबसे तीखी आलोचना की है यह कहकर कि कांग्रेस अपने नाकाम उत्पाद को लांच करने के लिए कब तक देश को दांव पर लगाएगी,परिवार को नाकामी के दाग से बचाने के लिए कांग्रेस भारत की उपलब्धियों पर सवाल उठा रही है,हकीकत यह है कि परिवार पार्टी पर बोझ हो गया है कांग्रेस एक परजीवी की तरह है,जो किसी और को आगे नहीं बढ़ने देना चाहती है,कांग्रेस पर दिमागी नक्सलियों का दबदबा है,वह अपने दम पर सोचने पर असमर्थ हो गई है।यह सच भी है।कांग्रेस का संगठन कमजोर हो गया है,गांधी परिवार का चुनाव जिताने का जादू खत्म हो गया है।कांग्रेस के पास राज्यों में चुनाव जिताने वाले नेता भी कम हो गए है,यही वजह है कि कांग्रेस की सत्ता कुछ राज्यों में ही रह गई है।सबसे बुरी बात यह है कि कांग्रेस का चुनाव लड़कर चुनाव जीतने का विश्वास खत्म हो गया है।

महत्व तभी सिद्ध होगा, जब अगली विसर्जन यात्रा में प्रशासन पहले से तैयारी करे, ध्वनि की निगरानी करे और उल्लंघन की स्थिति में तत्काल कार्रवाई करे। ध्वनि प्रदूषण को किसी एक धर्म, समुदाय या आयोजन तक सीमित करके देखना समस्या का समाधान नहीं है। मंदिरों, मस्जिदों, गुरुद्वारों, विवाह समारोहों, राजनीतिक रैलियों, जुलूसों और अन्य सार्वजनिक कार्यक्रमों में ध्वनि संबंधी नियम समान रूप से लागू होने चाहिए। किसी भी धार्मिक या सामाजिक गतिविधि के प्रति पूर्वाग्रह रखे बिना यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि ध्वनि का स्तर निर्धारित मानकों के भीतर रहे। यह भी ध्यान देने योग्य है कि ध्वनि प्रदूषण केवल कानों को होने वाले नुकसान तक सीमित नहीं है। लगातार शोर से तनाव, चिड़चिड़ापन, नींद में व्यवधान और एकाग्रता में कमी जैसी समस्याएँ उत्पन्न हो सकती हैं। बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो सकती है और अस्पतालों में भर्ती मरीजों के आराम में बाधा पड़ सकती है। बुजुर्गों और पहले से बीमार लोगों के लिए यह परेशानी और अधिक गंभीर हो सकती है। इसलिए ध्वनि प्रदूषण को केवल कानून-व्यवस्था की समस्या नहीं, बल्कि जनस्वास्थ्य और नागरिक अधिकारों से जुड़ा विषय माना जाना चाहिए।अब समय आ गया है कि प्रशासन त्योहारों के कैलेंडर के अनुसार पहले से कार्ययोजना तैयार करे। प्रत्येक बड़े जुलूस और सार्वजनिक आयोजन के लिए अनुमति की शर्तें स्पष्ट हों। आयोजकों को ध्वनि की निर्धारित सीमा, समय और जिम्मेदारियों की जानकारी दी जाए। संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जाए और ध्वनि मापने वाले उपकरणों को मदद से वास्तविक स्तर की जांच की जाए। उल्लंघन होने पर केवल चेतावनी देकर छोड़ने के बजाय कानून के अनुरूप कार्रवाई की जाए।डीजे संचालकों और आयोजकों के लिए भी स्पष्ट जवाबदेही तय होनी चाहिए। अनुमति की शर्तें सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित की जा सकती हैं, ताकि नागरिकों को पता रहे कि आयोजन किस समय तक और किस सीमाओं के भीतर संचालित होना है। बार-बार उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध लागू नियमों के अनुसार दंडावली बढ़ाई होनी चाहिए। साथ ही, शिकायत दर्ज कराने के लिए आसान व्यवस्था और शिकायत पर त्वरित प्रतिक्रिया भी सुनिश्चित की जाए। राजनीतिक नेतृत्व को भी यह समझना होगा कि लोकप्रियता या धार्मिक भावनाओं के नाम पर नियमों की अनदेखी को संरक्षण देना अंततः जनता के हितों के विरुद्ध है। प्रशासन की निष्पक्षता का पैमाना यही होना चाहिए कि कानून सब पर समान रूप से लागू हो।व्यक्तिगत की रौनक संगीत, भक्ति, उत्साह और आसौसी सदभाव से बढ़ती है, कान फाड़ देने वाले शोर से नहीं। उत्सव मनाने का अधिकार महत्वपूर्ण है, लेकिन दूसरों को शांतिपूर्ण जीवन से वंचित करने का अधिकार किसी को नहीं है। यदि न्यायालयों के निर्देश, वैज्ञानिक चेतावनियां और नागरिकों की शिकायतें भी प्रशासन को सक्रिय नहीं कर पातीं, तो यह व्यवस्था की गंभीर विफलता होगी। अब जरूरत केवल नए नियम बनाने की नहीं, बल्कि मौजूदा नियमों को ईमानदारी से लागू करने की है। सरकार, पुलिस, स्थानीय प्रशासन, आयोजक और नागरिक संलग्न मिलकर जिम्मेदार उत्सव की संस्कृति विकसित करें। अन्याथा हर त्योहार के बाद वही सवाल उठेगा—कानून मौजूद है, अदालतें निर्देश दे रही हैं, लोग परेशान हैं, फिर भी कानफोड़ डीजे पर लगाम आखिर कब लगेगी?

सऊदी अरब में व्यभिचार के जुर्म में फांसी से उपजे सवाल

वाणिज्य दूतावास को सूचित किए बिना गुप्तगुप्त तरीके से फांसी दी इसलिए इसे राजनयिक स्तर पर पूरी तरह अनुचित माना गया है। इसीलिये ढाका ने आधिकारिक तौर पर सऊदी अरब से अदालतीफैसलों की प्रतियां, अपराधों का पूरा विवरण और बिना सूचना दिए फांसी देने का कारण पूछा है। बांग्लादेश की जनता में भी इस घटना को लेकर गहरा दुख और आक्रोश है। स्थानीय सोशल मीडिया और स्थानीय मीडिया में इस संबंध में अपनी सरकार की 'निष्क्रियता' पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। वहां के लोग इस घटना की तुलना श्रीलंका के नागरिक 'अनोजन प्रवासरस' के मामले से कर रहे हैं, जिसकी ईश निंदा की मौत की सज़ा को अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक दबाव के बाद सऊदी अरब ने इसी महीने रद्द कर दिया था। इसके अतिरिक्त एमनेस्टी इंटरनेशनल और ह्यूमन राइट्स वॉच जैसी वैश्विक संस्थाओं ने भी सऊदी अरब की न्यायिक प्रणाली और मृत्युदंड की बढ़ती दरों पर एक बार फिर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने इस बात की आलोचना की है कि बिना पारदर्शी अदालती कार्यवाही, बिना उचित क़ानूनी प्रतिनिधित्व के, और गुप्त रूप से विदेशी नागरिकों को फांसी देना मानवाधिकार का घोर उल्लंघन है। गौरतलब है कि सऊदी अरब में वर्तमान में क़रीब 35 लाख बांग्लादेशी प्रवासी मजदूर रहते हैं, जो बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था के लिए प्रेषित धन का मुख्य माध्यम हैं। इस घटना के चलते बांग्लादेश सरकार के सामने अपने नागरिकों की सुरक्षा और सऊदी के साथ अपने मजबूत आर्थिक व धार्मिक संबंधों को संतुलित रखने की

एक बड़ी कूटनीतिक चुनौती खड़ी हो गई है। मक्का क्षेत्र व विशेष से इसके अंतर्गत आने वाली मस्जिदों की पवित्रता निश्चत रूप से सर्वोपरि है। परन्तु इस विशेष घटनाक्रम को लेकर एमनेस्टी इंटरनेशनल और ह्यूमन राइट्स वॉच जैसे संगठनों ने न केवल सऊदी अरब की मृत्युदंड प्रणाली को बेहद गोपनीय और अपारदर्शी बताया है। बल्कि आरोपियों को निष्पक्ष सुनवाई ,उचित क़ानूनी प्रतिनिधित्व और पीड़ित पक्ष को अपनी रक्षा के लिए राजनयिक मदद लेने का पर्याप्त अवसर नहीं मिलने की भी आरोप लगाया है। अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार मानकों के अनुसार यदि मृत्युदंड दिया भी जाये तो इसे केवल 'सबसे गंभीर अपराधों' जैसे जानबूझकर की गई हत्या के लिए ही होना चाहिए। मानवाधिकार कार्यकर्ताओं का तर्क है कि 'अनैतिक कृत्य' या 'व्यभिचार' जैसे आरोपों के लिए किसी की जान ले लेना मानवाधिकारों का घोर उल्लंघन है।

एक

नजर

प्रतियोगी परीक्षाओं की कोचिंग के लिए मिले प्रस्ताव 26 अक्टूबर को खोले जाएंगे

दंतेवाड़ा, 25 अक्टूबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जिला परियोजना कार्यालय, समग्र शिक्षा, जिला दंतेवाड़ा द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार संघ लोक सेवा आयोग, छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग, छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल तथा कर्मचारी चयन आयोग सहित राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय परीक्षाओं की तैयारी के लिए परिणामोन्मुखी अध्यापन सह कोचिंग कार्य हेतु प्राप्त प्रस्तावों को खोलने की तिथि 26 अक्टूबर 2026 निर्धारित की गई है।तृतीय रुचि की अभिव्यक्ति के अंतर्गत प्राप्त प्रस्तावों को खोलने की प्रक्रिया 26 अक्टूबर 2026 को दोपहर 1:30 बजे कार्यालय जिला पंचायत, दंतेवाड़ा के सभाकक्ष में संपन्न की जाएगी। संबंधित संस्थाओं तथा प्रस्ताव प्रस्तुत करने वाले पक्षों से निर्धारित तिथि एवं समय पर उपस्थित होने का अनुरोध किया गया है।

बोलेंतो पेड़ से टकराई, सेना के जवान की हुई मौत, 6 घायल, एक गंभीर



कोंड्रागांव,25 अक्टूबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जिले के परसगांव थाना क्षेत्र के गट्टीपलना मोड़ पर शुक्रवार रात करीब 10:30 बजे तेज रफ्तार बोलेंतो अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। हादसे में सेना का जवान सुंदरलाल नेताम की मौत हो गई, जबकि एक अन्य जवान मनीष नेताम गंभीर रूप से घायल हो गए। वाहन में सवार पांच अन्य लोग भी घायल हुए हैं। मिली जानकारी के अनुसार बोलेंतो में सात लोग सवार होकर पांडेआगांव में कार्यक्रम देखने जा रहे थे। इसी दौरान गट्टीपलना मोड़ पर वाहन अनियंत्रित होकर पेड़ से जा टकराया। दुर्घटना की सूचना मिलते ही सड़क सुरक्षा समिति के सदस्यों ने पुलिस की मदद से सभी घायलों को परसगांव अस्पताल पहुंचाया। हादसे में ग्राम पछ्छी निवासी सुंदरलाल नेताम, पिता सुखेलाल नेताम की मौत हो गई। वहीं, गंभीर रूप से घायल जवान मनीष नेताम का उपचार जारी है। अन्य घायलों में नंदलाल नेताम, दिनेश नेताम, सुनेश मरकाम, तेजलाल नेताम (सभी निवासी पछ्छी) और परदेशी कोराम (निवासी आलोर) शामिल हैं।अभीरूप से दो घायलों को जिला अस्पताल रिफर किया गया है बाकी घायलों का परसगांव अस्पताल में उपचार किया जा रहा है। परसगांव थाना पुलिस दुर्घटना के कारण की जांच कर रही है।

दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति आवेदन की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर तक बढ़ी

महासमुंद्र 25 अक्टूबर। दिव्यांगजन केद्रीय छात्रवृत्ति योजना अंतर्गत शिक्षा सत्र 2026-27 के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर 31 अक्टूबर 2026 कर दी गई है। पूर्व में आवेदन की अंतिम तिथि 30 सितंबर 2026 निर्धारित थी। उप संचालक श्रीमती संगीता सिंह ने बताया कि योजना के अंतर्गत प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए कक्षा 9वीं एवं 10वीं तथा पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए कक्षा 11वीं एवं 12वीं में नियमित रूप से अध्ययनरत दिव्यांग छात्र-छात्राएं आवेदन कर सकते हैं। आवेदन नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन किया जाना है। उन्होंने संबंधित विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों से अपील की है कि वे निर्धारित संशोधित अंतिम तिथि 31 अक्टूबर 2026 तक ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया पूर्ण कर लें, ताकि पात्र विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति योजना का लाभ मिल सके।

राज्य स्तरीय स्लिंग शॉट प्रतियोगिता में 200 खिलाड़ियों ने लिया हिस्सा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कांकेर 25 अक्टूबर। जिले के मिनी स्टेडियम में राज्य स्तरीय स्लिंग शॉट (गुलेल) प्रतियोगिता आज शुक्रवार को शुरू हुई है। कांकेर एसपी निखिल कुमार राखेचा ने इसकी शुरुआत की, इस प्रतियोगिता में लगभग 200 खिलाड़ी शामिल हुए हैं, इसमें 5 से 65 साल तक की उम्र के खिलाड़ी हैं। बस्तर के ग्रामीण इलाकों में गुलेल चलाई जाती है। अब इसे खेल प्रतियोगिता के जरिए आगे बढ़ाने की कोशिश की जा रही है। इसी उद्देश्य से कांकेर में राज्य स्तरीय प्रतियोगिता आयोजित की गई है। कांकेर में आयोजित प्रतियोगिता के जरिए बस्तर के पारंपरिक गुलेल के खेल को आधुनिक खेल प्रतियोगिता के रूप में नई पहचान देने की कोशिश की जा रही है, ताकि ग्रामीण क्षेत्र की प्रतिभाओं को मंच मिल सके और वे बेहतर प्रदर्शन कर देश प्रदेश का नाम

स्कूलों में लापरवाही पर डीईओ सख्त, अनुपस्थित शिक्षकों का वेतन रोकने के निर्देश

■ गंगालूर में शैक्षणिक अव्यवस्था पर जताई नाराजगी, नैनपाल की प्राथमिक शाला मिली बंद; बेहतर व्यवस्था वाले स्कूलों की सराहना

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर, 25 अक्टूबर। स्कूलों में शिक्षकों की मनमानी और शैक्षणिक अव्यवस्था पर जिला शिक्षा विभाग ने सख्ती दिखाई है। जिला शिक्षा अधिकारी राजेश पाण्डेय ने बीजापुर विकासखंड के गंगालूर क्षेत्र की विभिन्न शालाओं का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान शिक्षकों की अनुपस्थिति, विद्यार्थियों की कम उपस्थिति और बंद स्कूल मिलने पर



नाराजगी जताते हुए संबंधितों के खिलाफ कार्रवाई तथा आगामी माह का वेतन रोकने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला गंगालूर और कन्या आश्रम शाला गंगालूर में स्थिति असंतोषजनक

बोटेटोंग की बढहाली पर मंडल मंत्री एरन्ना अनमुल ने की ग्रामीणों से मुलाकात

■ राजकुमार कोण्डागुरला

बीजापुर 25 अक्टूबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। वर्षों से सड़क, बिजली, पानी और मोबाइल नेटवर्क जैसी बुनियादी सुविधाओं के इंतजार में बैठे बोटेटोंग के ग्रामीणों की आवाज आखिरकार जनप्रतिनिधियों तक पहुंची। तरुण छत्तीसगढ़ समाचार बीजापुर की टीम ने गांव की बढहाल स्थिति और ग्रामीणों की प्रशानियों को प्रमुखता से उठाए जाने के बाद अब उनकी समस्याओं पर पहल शुरू हुई है। मंडल मंत्री एरन्ना अनमुल ने बोटेटोंग सहित रासपल्ली, पिनाचंदा और पेदाचंदा के ग्रामीणों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान पूर्व मंत्री महेश गागड़ा एवं जिला पंचायत अध्यक्ष जानकी कोरसा से बातचीत कर प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत स्वीकृत सड़क का निर्माण एक सप्ताह के भीतर शुरू कराने का आश्वासन दिया गया।

खबर ने उठाई आवाज, अब सड़क शुरू होने का इंतजार : बोटेटोंग में सड़क का अभाव ग्रामीणों के लिए सबसे बड़ी परेशानी बना हुआ है। गांव तक पहुंचने का रास्ता कठिन होने से आम लोगों के साथ गर्भवती महिलाओं, बुजुर्गों और बीमार मरीजों को भी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। आपात स्थिति में मरीजों को स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचाना चुनौती बन जाता है। नेटवर्क की कमी के कारण ऑनलाइन गांव की महिलाओं ने भी सड़क निर्माण की मांग जोरदार ढंग से रखी। उनकी समस्या



सुनने के बाद मंडल मंत्री एरन्ना अनमुल ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत स्वीकृत सड़क का कार्य एक सप्ताह के भीतर प्रारंभ कराने का भरोसा दिया। अब ग्रामीणों की निगाहें इस आश्वासन पर टिकी हैं कि सड़क निर्माण का काम तय समय पर धरातल पर उतरता है या नहीं।

पेयजल संकट पर हंडैपंग का भरोसा: सड़क के साथ गांव में पेयजल की समस्या भी प्रमुखता से उठी। ग्रामीणों ने बताया कि पानी की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने से रोजमर्रा के काम प्रभावित होते हैं। इस पर मंडल मंत्री ने सरपंच रवि सुमन के साथ चर्चा कर गांव में हंडैपंग की व्यवस्था कराने की बात कही।

यदि इस दिशा में जल्द काम होता है, तो ग्रामीणों को पेयजल संकट से राहत मिलने की उम्मीद है। वहीं, जल जीवन मिशन के तहत स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने का मुद्दा भी शासन-प्रशासन के समक्ष उठाने की बात कही गई।

राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड के लिए लगेगा शिविर: गांव में मोबाइल नेटवर्क की कमी के कारण ऑनलाइन सेवाओं और शासकीय योजनाओं तक पहुंच बनाना भी ग्रामीणों के लिए कठिन



है। राशन कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, आयुष्मान कार्ड सहित अन्य जरूरी दस्तावेज बनवाने में होने वाली परेशानियों को देखते हुए गांव में शिविर आयोजित करने पर चर्चा की गई।

ग्रामीणों की मांग है कि दस्तावेजों के लिए उन्हें बार-बार दूरस्थ क्षेत्रों के चक्कर न लगाने पड़ें, बल्कि प्रशासन गांव में शिविर लगाकर पात्र हितग्राहियों को योजनाओं से जोड़े।

बिजली, आवास, गैस और नेटवर्क का मुद्दा भी उठा: मंडल मंत्री एरन्ना अनमुल ने बताया कि पूर्व मंत्री महेश गागड़ा और जिला पंचायत अध्यक्ष जानकी कोरसा के मार्गदर्शन में गांव की समस्याओं को संबंधित शासन-प्रशासन के समक्ष रखा जाएगा। बिजली, पेयजल, आवास, गैस कनेक्शन और मोबाइल नेटवर्क जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए भी संबंधित अधिकारियों से चर्चा करने की बात कही गई।

ग्रामीणों के लिए इन सुविधाओं का महत्व इसलिए भी अधिक है, क्योंकि इनके अभाव में शिक्षा, स्वास्थ्य, संचार और सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में बाधाएं आती हैं।

गांव में रोजगार की मांग, अधिकारियों से चर्चा का भरोसा न ग्रामीणों से संवाद के दौरान एक युवक

भूटखलन के एक महीने बाद बस्तर का रेल यातायात बहाल,मालगाड़ियों की आवाजाही शुरू



■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जगदलपुर, 25 अक्टूबर। चक्रवात से हुई बारिश से ओडिशा के मालिगुड़ा क्षेत्र में 24 सितंबर को भारी भूस्खलन हुआ था। इससे तीन स्थानों पर रेलवे ट्रैक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। इसके बाद बस्तर से रेल यातायात पूरी तरह ठप था। रेलवे विभाग के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक के. संदीप के अनुसार रेलवे के इंजीनियरिंग और सिग्नल टीमों ने मिलकर ट्रैक को 24 अक्टूबर को बहाली का काम पूरा कर लिया गया। इसके बाद मालगाड़ियों को चलाने की अनुमति दी गई है, लेकिन यात्री ट्रेनें सुरक्षा कारणों से चलने की अनुमति नहीं दी गई है, आगे सब कुछ ठीक रहा तो यात्री ट्रेनें भी बहाल कर दी जायेगी। उन्होंने कहा कि अब मालगाड़ियों के चलने से राहत की उम्मीद है। यात्री ट्रेनें बहाल करने से पहले रेलवे सुरक्षा

जांच पूरी करने के बाद निर्णय लिया जायेगा है।

एक महीने तक ट्रेनें बंद रहने से बैलाडीला के एनएमडीसी का लौह अयस्क की ढुलाई रुक गई थी। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार एनएमडीसी का लगभग 411 करोड़ रुपये का लौह अयस्क परिवहन प्रभावित हुआ है। एनएमडीसी की छत्तीसगढ़ इकाई की लौह अयस्क भित्री में सितंबर माह में गिरावट दर्ज की गई। उपलब्ध रिपोर्ट के मुताबिक सितंबर 2026 में बिन्नी 21.3 लाख टन रही, जबकि सितंबर 2025 में यह 25.8 लाख टन थी। यानी सालाना आधार पर 4.5 लाख टन की कमी आई। हालांकि इस गिरावट का पूरा कारण रेलमार्ग पर भूस्खलन को नहीं माना जा सकता। केके रेललाइन का महत्व इसलिए भी अधिक है क्योंकि बैलाडीला क्षेत्र से निकलने वाले लौह अयस्क की ढुलाई का बड़ा हिस्सा इसी मार्ग से होता है।

कलेक्टर कुन्दन कुमार की पहल से जिले के सभी 7 विकासखंडों में जनदर्शनआयोजित किया गया

■ कांकेर, चारामा, नरहरपुर, भानुप्रतापपुर, अंतागढ़, दुर्गुकोंदल और कोयलीबेड़ा में सुनी गई आम नागरिकों की समस्याएं

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कांकेर, 25 अक्टूबर। आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित निराकरण और प्रशासन के विकासमान्य के और करीब लाने के उद्देश्य से कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार की पहल पर आज जिले के सभी सातों विकासखंडों में जनदर्शन का आयोजन किया गया। इसके तहत कांकेर, चारामा, नरहरपुर, भानुप्रतापपुर, अंतागढ़, दुर्गुकोंदल और कोयलीबेड़ा में आम नागरिकों की समस्याएं एवं शिकायतें सुनी गईं।जनदर्शन के माध्यम से नागरिकों को अपनी समस्याओं और मांगों को प्रशासन के समक्ष रखने के



लिए स्थानीय स्तर पर ही मंच उपलब्ध कराया गया। इससे लोगों को अपनी शिकायतों के निराकरण के लिए प्राप्त मुख्यालय तक आने की आवश्यकता कम होगी तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों से सीधे संवाद कर अपनी समस्याएं रखने में सुविधा मिलेगी। विकासखंड मुख्यालयों में आयोजित जनदर्शन में संबंधित अधिकारियों की उपस्थिति में नागरिकों से आवेदन प्राप्त किए गए। अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों का नियमानुसार परीक्षण कर पात्रानुसार त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने तथा

लंबित प्रकरणों पर समय-सीमा में आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार की इस पहल का उद्देश्य प्रशासनिक सेवाओं को आम नागरिकों के और करीब पहुंचाना, शिकायतों के निराकरण में तेजी लाना तथा शासकीय योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाना है। स्थानीय स्तर पर जनदर्शन आयोजित होने से नागरिकों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए सुगम और सुलभ मंच उपलब्ध हो रहा है।

त्रिस्तरीय पंचायत उप निर्वाचन 2026: मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन, 30 अक्टूबर तक कर सकेंगे दावा-आपत्ति

■ बीजापुर जिले की 10 ग्राम पंचायतों की मतदाता सूची निरीक्षण के लिए उपलब्ध, नाम जोड़ने एवं संशोधन के लिए आवेदन आमंत्रित

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर 25 अक्टूबर। त्रिस्तरीय पंचायत उप निर्वाचन 2026 के अंतर्गत जिले में सरपंच एवं पंच पदों के निर्वाचन हेतु ग्राम पंचायत पदमूर, कमकानार, पुसनार, बुरजी, चेरपाल, एडापल्ली, गुन्नापेटा, तिमेटु, उसकालेड, गोरला एवं सण्डूपल्ली की निर्वाचक नामावलियों (मतदाता सूचियों) का प्रारंभिक प्रकाशन 23 अक्टूबर 2026 को किया गया है।संबंधित ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत कार्यालय एवं तहसील कार्यालय में मतदाता सूची आम नागरिकों के निःशुल्क निरीक्षण के लिए उपलब्ध रहेगी। कोई भी व्यक्ति जो किसी ग्राम की मतदाता सूची में अपना नाम सम्मिलित कराना चाहता हो अथवा किसी प्रविष्टि में संशोधन या आपत्ति प्रस्तुत करना चाहता हो, वह निर्धारित प्रपत्र में आवेदन कर सकता है।मतदाता सूची के संबंध में दावा-आपत्ति 23 अक्टूबर से 30 अक्टूबर

2026 तक अपराह्न 3 बजे तक संबंधित ग्राम पंचायत कार्यालय, जनपद पंचायत कार्यालय अथवा तहसील कार्यालय में प्रस्तुत की जा सकेगी।

छत्तीसगढ़ पंचायत निर्वाचन नियम, 1965 के नियम 11 (1) के अनुसार दावा एवं आपत्तियां प्रस्तुत करने के लिए यह आवश्यक होगा कि आवेदक का नाम भारत निर्वाचन आयोग द्वारा प्रकाशित निर्वाचक नामावली में दर्ज हो। यदि आवेदक का नाम भारत निर्वाचन आयोग की निर्वाचक नामावली में दर्ज नहीं है, तो वह निर्धारित प्रारूप क, ख एवं ग में आवेदन प्रस्तुत नहीं कर सकेगा। ऐसी स्थिति में आवेदक को 11 नवंबर 2026 तक भारत निर्वाचन आयोग की निर्वाचक नामावली में अपना नाम दर्ज कराना आवश्यक होगा। इसके पश्चात वह प्रारूप क-1 में रजिस्ट्रीकरण अथवा सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत कर सकेगा। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित समय-सीमा के पश्चात प्रस्तुत किए गए किसी भी दावा अथवा आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा। संबंधित ग्राम पंचायतों के नागरिकों से अपील की गई है कि वे निर्धारित अवधि में मतदाता सूची का अवलोकन कर आवश्यकतानुसार दावा-आपत्ति प्रस्तुत करें।

पैरालीगल वॉलंटियर्स को साइबर अपराध एवं ऑनलाइन ठगी से बचाव के लिए दिया गया प्रशिक्षण

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कांकेर, 25 अक्टूबर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, कांकेर के मार्गदर्शन में आज जिला न्यायालय कांकेर में पैरालीगल वॉलंटियर्स के लिए साइबर अपराध एवं ऑनलाइन ठगी से बचाव विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें पुलिस विभाग के साइबर सेल के विशेषज्ञों द्वारा प्रतिभागियों को साइबर सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी गई।प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों ने साइबर अपराध, डिजिटल नेस्ट, ऑनलाइन ठगी, सोशल मीडिया से जुड़े अपराध, सिम स्वीप, सिम सस्पेंड, टू-स्टेप वेरिफिकेशन तथा बैंकिंग संबंधी साइबर धोखाधड़ी के विभिन्न तरीकों के बारे में विस्तार से बताया। साथ ही बैंक खाते, एटीएम, यूपीआई एवं ओटीपी को सुरक्षित रखने, संदिग्ध कॉल और

लिंक से सतर्क रहने तथा अपनी व्यक्तिगत एवं बैंकिंग संबंधी जानकारी किसी अनजान व्यक्ति के साथ साझा नहीं करने की सलाह दी गई। सोशल मीडिया खातों को सुरक्षित रखने के उपायों की जानकारी भी दी गई। विशेषज्ञों ने साइबर ठगी का शिकार होने की स्थिति में तत्काल राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क करने तथा राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल www.cybercrim.gov.in पर शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया के बारे में भी जानकारी दी। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य पैरालीगल वॉलंटियर्स को साइबर अपराधों एवं ऑनलाइन धोखाधड़ी के प्रति जागरूक और प्रशिक्षित करना है, ताकि वे आम नागरिकों तक साइबर सुरक्षा संबंधी जानकारी पहुंचाकर उन्हें संभावित ऑनलाइन ठगी से बचने के लिए जागरूक कर सकें। इस पहल से आमजन में डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा साइबर अपराधों की रोकथाम में सहयोग मिलने की उम्मीद है।

शराब सेवन कर स्कूल आने और शिक्षकों से अभद्र व्यवहार की शिकायत पर भृत्य निलंबित

कांकेर, 25 अक्टूबर। भानुप्रतापपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत बांसकुण्ड के सरपंच एवं ग्रामवासियों द्वारा शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला बांसकुण्ड में पदस्थ भृत्य श्री अभिषेक भारतद्वज के विरुद्ध की गई शिकायत की जांच के बाद जिला शिक्षा अधिकारी ने उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार श्री भारतद्वज के विरुद्ध शाला में नियमित रूप से उपस्थित नहीं रहने, विद्यालय के अन्य शिक्षकों के साथ अभद्र व्यवहार करने तथा शराब का सेवन कर शाला में उपस्थित होने की शिकायत सेवा संकल्प शिविर में की गई थी। शिकायत की जांच के लिए गठित जांच दल ने आरोपों की जांच की, जिसमें शिकायत की पुष्टि हुई। संबंधित कर्मचारी का उक्त कृत्य छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 के नियम 3 के उल्लंघन (1), (2) एवं (3) के विपरित तथा कदाचार की श्रेणी में पाया गया। जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम, 1966 के नियम 9 के तहत श्री अभिषेक भारतद्वज को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का आदेश जारी किया गया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय कार्यालय खंड शिक्षा अधिकारी, विकासखंड दुर्गुकोंदल निर्धारित किया गया है। इस अवधि में उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा।

एक

नजर

विकासखण्ड स्तरीय युवा संसद

प्रतियोगिता का आयोजन 26 को



सिमगा 25 अक्टूबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। आज विकासखंड स्तरीय युवा संसद प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमें औरेंटी की टीम ने बाजी मारी। विजेता टीम सोमवार 26 अक्टूबर को बलौदा बाजार में जिला स्तरीय प्रतियोगिता में प्रदर्शन करेगी। इस टीम के प्रशिक्षक डॉक्टर दिनेश कुमार उपाध्याय थे। इस कार्यक्रम में जनपद पंचायत के अध्यक्ष डॉक्टर दीलत पालजी, भारतीय जनता पार्टी मंडल अध्यक्ष चंद्रमणि तिवारी जी, जनपद पंचायत सिमगा सभापति चंद्रप्रकाश टोंडे जी, जनपद सदस्य खोम लाल साहू जी, विकासखंड शिक्षा अधिकारी संजय श्रीवास्तव, विकासखंड सहायक शिक्षा अधिकारी सी एस ध्रुव, निर्णायक मंडल के सदस्य प्राचार्य बनसांकरा रामकुमार ध्रुव, प्राचार्य विश्रामपुर शत्रुहन देवांगन, कार्यक्रम के नोडल अधिकारी भास्कर कुमार साहू जी, शिक्षकगण और प्रतिभागी छात्र छात्रा उपस्थित थे।उद्धोधन में चंद्रमणि तिवारी जी ने विजेता टीम को विधानसभा रायपुर घूमाने का वचन दिया।

जिला पंचायत सामान्य सभा की बैठक 28 अक्टूबर को

कांकेर 25 अक्टूबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जिला पंचायत कांकेर की सामान्य सभा की बैठक 28 अक्टूबर, बुधवार को आयोजित की जाएगी। बैठक जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती किरण नेरटी की अध्यक्षता में पूर्वाह्न 11 बजे से जिला पंचायत सभाकक्ष में संपन्न होगी। बैठक में निर्धारित एजेंडे के अनुसार विभिन्न विषयों पर चर्चा की जाएगी तथा संबंधित विषयों की समीक्षा की जाएगी।

वर्नाचल में कनेक्टिविटी को

मिली नई रफ्तार

कांकेर, 25 अक्टूबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना के तहत कांकेर जिले में ग्रामीण परिवहन सुविधा के विस्तार को दिशा में आज दो नए बस मार्ग पर सेवा शुरू हुई। परिवहन मंत्री श्री केदार कश्यप ने बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। भानुप्रतापपुर-कोर और भानुप्रतापपुर-अंतागढ़ मार्ग पर बस सेवा शुरू होने से दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को नियमित सार्वजनिक परिवहन की सुविधा मिलेगी। इससे ग्रामीणों के लिए तहसील, जनपद और अन्य प्रमुख केंद्रों तक पहुंचना आसान होगा तथा शिक्षा, स्वास्थ्य, होट-बाजार और शासकीय कार्यों के लिए आवागमन में सुविधा मिलेगी।

जिले में इन दो नए मार्गों पर बस सेवा शुरू होने से पहले से संचालित 10 मार्गों के माध्यम से भी ग्रामीण क्षेत्रों को परिवहन सुविधा मिल रही है। इनमें चारामा-आमाबेड़ा, कोर-डौंडी, कांकेर-अंतागढ़, कोयलीबेड़ा-आलपरस, कोर-भानुप्रतापपुर, कोर-कांकेर, दुधावा-धमतरी, गुदाटोला-भानुप्रतापपुर, कोर-कांकेर के दूसरे मार्ग तथा भानुप्रतापपुर-कोदापाखा मार्ग शामिल हैं। इन मार्गों पर बसों के संचालन से विभिन्न गांवों के लोगों को मुख्य मार्गों और प्रमुख केंद्रों तक पहुंचने में सुविधा मिल रही है।

चारामा-आमाबेड़ा मार्ग पर सुकलापा, बेलादी, खड्कागंव, धनतुलसी, साल्हेवारा, कुरुस्टीकुर, कोदागाँव, पोटागाँव, बागडोंगरी, जामबहार, लिलेझर, बरकघार और चावड़ी जैसे गांव जुड़े हैं। कोर-डौंडी मार्ग पर भरौटोला, परसोरा, बेनोदा, मंगलतराई, चिहरो, आमाडुला, पुरी, भीथा, किशनपुरी और सेलेगंव तक बस सुविधा उपलब्ध है। कांकेर-अंतागढ़ मार्ग पर मदापोटी, मलांजकुडुम, गुमझुर, उसेली, निलझर और बांजेशरी सहित गांवों को परिवहन सुविधा मिलती है, जबकि कोयलीबेड़ा-आलपरस मार्ग कोयलीबेड़ा, अंतागढ़, भानुप्रतापपुर और कोर को जोड़ता है।

कोंडागांव में 309 पारंपरिक वैद्यों को औषधि पादप बोर्ड ने प्रदान की आधिकारिक पहचान

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कोंडागांव, 25 अक्टूबर। कोंडागांव ऑडिटोरियम में आज छत्तीसगढ़ आदिवासी, स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड द्वारा पारंपरिक वैद्यों के प्रमाणन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छह जिलों के 309 पारंपरिक वैद्यों को प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। इसमें कोंडागांव, नारायणपुर, कांकेर, धमतरी, गरियाबंद और महासमुंद जिले के वैद्य शामिल हैं। कार्यक्रम में वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। औषधि पादप बोर्ड के अध्यक्ष विकास मरकाम ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की, जबकि औषधिपादप विधायक लता उसेंडी और औषधि पादप बोर्ड के उपाध्यक्ष अंजय शुक्ला विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारी एवं अन्य लोग उपस्थित रहे।

वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि पारंपरिक वैद्य प्रकृति के साथ जुड़ाव बनाए रखने और ग्रामीण अंचलों में स्थानीय स्वास्थ्य परंपराओं को जीवित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उनके पास पीढ़ियों से संचित औषधीय पौधों और पारंपरिक उपचार पद्धतियों का अनुभव एवं

महापौर ने निगम, पुलिस एवं खाद्य विभाग के अधिकारियों की ली संयुक्त बैठक

- लाससेंस,खाद्य सामाग्री, [लिटी, सिलेण्डर, साफसफाई की जाँच करने बनी रणनीति
- शाम को संयुक्त टीम शहर में निकली जाँच के लिए

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 25 अक्टूबर। अतिक्रमण कर एवं अवैध रूप से मांस विक्रय करने वाले के विरुद्ध कार्यवाही करने शहर में मांस विक्रय करने वालो का नगर निगम द्वारा लायसेंस एवं खाद्य सुरक्षा विभाग की अनुमति संबंधी दस्तावेज की जाँच की जा रही है। इसी कडी में आज महापौर श्री मधुसूदन यादव ने नगर निगम, पुलिस, खाद्य एवं औषधी विभाग के



अधिकारियों की संयुक्त बैठक लेकर मांस विक्रय करने वाले होटल, ठेला में विभिन्न पहलुओ की जाँच करने चर्चा किए। बैठक में निगम आयुक्त श्री जी.आर. मरकाम, प्रशिक्षु

आई.पी.एस. व नगर पुलिस अधीक्षक श्री आदित्य कुमार, डीएसपी श्री एस.पी. तिवारी, टीआई श्री उपेन्द्र साहू, खाद्य व औषधी विभाग के अभिहित अधिकारी श्री तरुण बिडला,

सहायक खाद्य अधिकारी श्री द्रोण कामदे प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

बैठक में महापौर श्री यादव ने कहा कि कुछ दिनों पूर्व गौरी नगर में अवैध रूप से मांस विक्रय करने संबंधी शिकायत प्राप्त हुई जिसके आधार पर संबंधितो पर पुलिस द्वारा कानूनी कार्यवाही की गयी, वही नगर निगम द्वारा अवैध मांस विक्रेता का अतिक्रमि़त घर तोड़ ठेला जसी किया गया था। इसी परिप्रेक्ष्य में शहर में मास विक्रय करने वालो की लायसेंस और खाद्य सुरक्षा विभाग की अनुमति तथा साफ सफ़ाई आदि की जाँच कर तीन दिवस के अंदर दस्तावेज दिखाने नगर निगम द्वारा नोटिस दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नगर निगम के अलावा खाद्य एवं सुरक्षा संबंधी सभी विभाग अपने अपने कार्य से संबंधित पहलुओ की जाँच करने आज मिटिंग बुलाई गयी है। उन्होंने कहा कि संयुक्त टीम बनाकर मांस विक्रेताओं

के लायसेंस, विभाग की अनुमति, व्यावसायिक गैस सिलेंडर, फुड क्वालिटी के अलावा साफ सफ़ाई आदि की जाँच की जाए, जिससे अवैध कारोबार में अंकुश लग सके।

महापौर के निर्देश पर आज शाम को ही नगर निगम,खाद्य,खाद्य व औषधी तथा पुलिस विभाग की संयुक्त टीम शहर मे मांस विक्रय करने वाले होटल, ठेला खोमचा की जाँच किए। जाँच टीम नया बस स्टैण्ड, टाउन हॉल के सामने, फ्लाई ओवर के नीचे, पोस्ट ऑफिस के पास, पुराना बस स्टैण्ड में मांस विक्रेताओं के होटल व ठेला में दबिश देकर फुड लायसेंस, खाद्य सामाग्री एवं खाद्य संबंधी अन्य चीजो तथा सुरक्षा की जाँच कर व्यवसायिक के स्थान पर घरेलु सिलेण्डर का उपयोग करते पाये जाने पर 4 सिलेण्डर जप्त किए। संयुक्त टीम द्वारा आगे भी जाँच की कार्यवाही की जावेगी।

उपकारी का उपकार कभी नहीं

भूलना चाहिए: समयप्रभ जी



■ जैन बगीचे में

चातुर्मासिक प्रवचन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 25 अक्टूबर। किसी ने आपका उपकार किया है तो उसका उपकार कभी मत भूलें, आप उसके प्रति हमेशा कृतघ्नता का भाव रखें। समय आने पर उपकार का बदला अवश्य चुकाएं। उक्त उद्गार खरतर गच्छाधिपति मणिप्रभ सागर जी के सुशिष्य समयप्रभ सागर जी ने व्यक्त किए। मीडिया प्रभारी विमल हाजरा ने बताया कि ज्ञान वल्लभ उपाश्रय भवन में चल रहे चातुर्मासिक प्रवचन की कड़ी में आज मुनि श्री समयप्रभ सागर जी ने परमा्या कि जल्दबाजी में किया गया काम कभी भी सही नहीं होता। उतावलेपन में किए जाने वाले कार्य में हमेशा कोई ना कोई गलती हो ही जाती है। इसीलिए जल्दबाजी में कोई कार्य न करें। मुनि श्री ने कहा कि आत्म प्रशंसा का कार्य न करें। मुनि श्री समयप्रभ जी ने कहा कि संत अपनी प्रवृत्ति नहीं छोड़ सकता उसी तरीके से दुर्जन भी अपनी प्रवृत्ति नहीं छोड़ सकता। इसी तरह उपकारी व्यक्ति भी अपना स्वभाव नहीं छोड़ता। एक व्यक्ति पर सब कुछ निर्भर होता है तब एकात्मवाद होता है। कोई आपका उपकार करता है तो उसे कभी ना भूले। उन्होंने कहा कि सधर्मी कभी भी दया का पात्र नहीं होता बल्कि वह भक्ति का पात्र होता है। किसी को सहयोग करो तो किसी दूसरे को पता ना चले।

दीपावली त्योहार में

सुचारु संचालन के लिए शहर में

अस्थायी पार्किंग की व्यवस्था



■ आयुक्त ने चयनित

पार्किंग स्थल में

व्यवस्था हेतु

अधिकारियों को सौंपा

दायित्व

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 25 अक्टूबर। आगामी दीपावली त्योहार में शहर की भीड़ को देखते हुए यातायात के सुचारु संचालन के लिए व्यापारियों के सुझाव पर प्लान तैयार किया गया है। जिसके तहत शहर के विभिन्न हिस्सों में अस्थाई पार्किंग की व्यवस्था करने का निर्णय लिया गया। चयनित स्थानों में पार्किंग के लिए व्यवस्था करने निगम आयुक्त श्री जी.आर मरकाम ने निगम के अधिकारियों को दायित्व सौंपा है। गत दिवस कलेक्टर श्री जितेन्द्र यादव के अध्यक्षता में चेम्बर ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारियों के साथ आगामी दीपावली त्योहार को दृष्टिगत रखते हुए शहर में उद्देश्य पारंपरिक चिकित्सा ज्ञान का दस्तावेजीकरण, वैद्यों को आधिकारिक पहचान दिलाना और उनका सशक्तीकरण करना है। इसके माध्यम से छत्तीसगढ़ की समृद्ध स्थानीय स्वास्थ्य परंपराओं को संरक्षित करने तथा पारंपरिक चिकित्सा से जुड़े लोगों को प्रोत्साहित करने की दिशा में काम किया जा रहा है।

बोर्ड के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जे.ए.सी.एस. राव ने कहा कि पारंपरिक वैद्यों का प्रमाणन प्रदेश की सांस्कृतिक और चिकित्सा विरासत को संरक्षित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। इससे पारंपरिक ज्ञान को संस्थागत पहचान मिलेगी और इस क्षेत्र से जुड़े लोगों को आगे बढ़ने के अवसर प्राप्त होंगे।

विकसित भारत यूथ

पार्लियामेंट में गुंजेगी युवाओं

की आवाज

कांकेर 25 अक्टूबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जिले के युवाओं के लिए अपनी प्रतिभा, तार्किक क्षमता और नेतृत्व कौशल को राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित करने का एक महत्वपूर्ण अवसर सामने आया है। विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट 2027 के अंतर्गत 28 अक्टूबर 2026 को भानुप्रताप देव शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कांकेर में जिला स्तरीय प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इस प्रतियोगिता के माध्यम से युवाओं को न केवल अपने विचारों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा, बल्कि राज्य और राष्ट्रीय स्तर तक पहुँचने का मार्ग भी खुलेगा। इस आयोजन की सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि कांकेर जिले से चयनित शीर्ष तीन प्रतिभागियों को छत्तीसगढ़ विधानसभा में अपने विचार प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा। इसके बाद राज्य स्तर पर चयनित छत्तीसगढ़ के तीन प्रतिभागी देश की संसद भवन में अपने विचार प्रस्तुत करेंगे।



क्षेत्र में जनसेवा के संकल्प को मजबूती से आगे बढ़ाने का आह्वान किया। शनिवार को सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल शक्तिपीठ दंतेवाड़ा पहुंचे, जहां उन्होंने आदिशक्ति मां दंतेश्वरी के दर्शन-पूजन कर आशीर्वाद ग्रहण किया और छत्तीसगढ़ की सुख, शांति, खुशहाली और बस्तरवासियों के मंगलमय जीवन की

प्रार्थना की। श्री अग्रवाल ने कहा कि मां दंतेश्वरी की असीम कृपा से बस्तर आज शांति और विकास के नए युग में प्रवेश कर रहा है। बस्तर की पावन धरा हमेशा से आस्था, समृद्ध संस्कृति और संघर्ष की प्रतीक रही है, और मां के चरणों में आकर जनसेवा की नई ऊर्जा प्राप्त होती है।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने मां दंतेश्वरी के दर पर नवाया शीश

■ जगदलपुर में कैबिनेट मंत्री

केदार कश्यप और सांसद महेश

कश्यप से की भेंट

रायपुर 25 अक्टूबर। रायपुर सांसद एवं पूर्व वरिष्ठ मंत्री श्री बृजमोहन अग्रवाल अपने बस्तर प्रवास के तहत शुक्रवार रात जगदलपुर पहुंचे, जहां देर रात उन्होंने छत्तीसगढ़ शासन के कैबिनेट मंत्री श्री केदार कश्यप और बस्तर सांसद श्री महेश कश्यप से सौजन्य मुलाकात की। सर्किट हाउस में हुई इस बैठक में बस्तर संभाग के विकास, केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रिया-व्ययन और संगठनात्मक विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई।

इस अवसर पर महापौर श्री संजय पांडे, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री वेद प्रकाश पांडे सहित पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी, बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। श्री अग्रवाल ने देर रात तक कार्यकर्ताओं से संवाद कर उनका कुशलक्षेम जाना और



ज्ञान है। यह ज्ञान हमारी सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है। पारंपरिक वैद्यों का प्रमाणन उनके अनुभव और सेवाओं को पहचान देने तथा पारंपरिक चिकित्सा विरासत के संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे स्थानीय स्वास्थ्य परंपराओं को प्रोत्साहन मिलेगा और इनसे जुड़े वैद्यों को समाज में उचित सम्मान प्राप्त होगा।

औषधि पादप बोर्ड के अध्यक्ष विकास मरकाम ने केंद्र और राज्य सरकार के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि पारंपरिक वैद्यों को प्रमाणित कर आधिकारिक पहचान दिलाने से उनके ज्ञान

और अनुभव को सम्मान मिलेगा। उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान उनसे हुई मुलाकात और प्राप्त मार्गदर्शन को ऐतिहासिक एवं प्रेरणादायी बताया। उन्होंने कहा कि पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों के संरक्षण और वैद्य समाज के सशक्तीकरण के लिए किए जा रहे प्रयास महत्वपूर्ण हैं। प्रमाणन से वैद्यों को अपनी पारंपरिक ज्ञान परंपरा को आगे बढ़ाने के साथ सामाजिक पहचान मजबूत करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि इस पहल से वैद्य समाज के जीवन में सकारात्मक बदलाव आएगा और

पारंपरिक चिकित्सा ज्ञान को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने में मदद मिलेगी। कोंडागांव विधायक लता उसेंडी ने पारंपरिक वैद्यकीय परंपरा को व्यवस्थित एवं व्यावसायिक स्वरूप देने की दिशा में औषधि पादप बोर्ड की पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि पारंपरिक वैद्य लंबे समय से अपने अनुभव और स्थानीय औषधीय पौधों के ज्ञान के माध्यम से लोगों की सेवा करते आ रहे हैं। उनके ज्ञान को पहचान देना और इसे संरक्षित करना आवश्यक है। प्रमाणन से वैद्यों के पारंपरिक ज्ञान और वर्षों के अनुभव को आधिकारिक पहचान मिलेगी। इससे उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा को मजबूती मिलेगी तथा आजीविका के अवसरों को बढ़ावा देने में भी मदद मिल सकती है। उन्होंने कहा कि पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों को व्यवस्थित रूप से आगे बढ़ाने से इस विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का मार्ग प्रशस्त होगा।

औषधि पादप बोर्ड के उपाध्यक्ष अंजय शुक्ला ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में भारतीय पारंपरिक चिकित्सा पद्धति के संरक्षण, संवर्धन और विस्तार के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पारंपरिक वैद्यों का प्रमाणन उन्हें आधिकारिक पहचान और सम्मान दिलाने



छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट की स्थापना को 26 साल पूरे होने को है। लंबे अरसे बाद भी केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण (कैट) का गठन नहीं हो पाया है। अभी भी जबलपुर वौड़ लगानी पड़ती है। स्थिति है, सक्रिट कोर्ट 2 महीने में एक सप्ताह के लिए बिलासपुर में बैठती है। एक वर्ष में मात्र पांच बार। आवेदनों में अगर गलती हो जाए तो जबलपुर तक 250 कि.मी. दूर जाना पड़ता है। सीनियर लायर फ़ैम बिलासपुर की ओर से दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने केंद्र/राज्य सरकार से उत्तर मांगा है। चीफ जस्टिस कृष्ण राम महापात्र, न्यायमूर्ति संतोष शर्मा को युगल पीठ ने केंद्र सरकार को तीन सप्ताह के भीतर सक्षम अधिकारी का शपथपत्र प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। छा सरकार से भी स्थायी पीठ स्थापित करने की दिशा में उठाए कदमों की जानकारी लेने को कहा गया है। याचिका कर्ता की ओर से अधिवक्ता बीपी राव ने अदालत को बताया, जबलपुर स्थित कैट की प्रधान पीठ की सक्रिट पीठ बिलासपुर में 2 महीने में एक सप्ताह बैठती है। व्यवस्था साल में 5 बार चलती है। इसके कारण पक्षकारों को आवेदन जमा करने, नुटियां दूर करने कार्यालयीन प्रक्रियाओं के लिए जबलपुर जाना पड़ता है। प्रकरण तैयार होने के बाद आनलाइन सुनवाई

नदी ने धूप से क्या कह दिया खानी में... उजाले पांव पटकने लगे हैं पानी में...

होती है। इससे पक्षकारों को समय संसाधन खर्च करने पड़ते हैं। याचिका में बताया गया, बिलासपुर में कैटभवन बनाने जमीन आवंटित हो चुकी है, अभी सक्रिट पीठ जिला उपभोक्ता फ़ैरम में एक छोटे कमरे में संचालित हो रही है। सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से उप सलिसिटर जनरल रामाकांत मिश्रा ने मामले में जानकारी जुटाने सक्षम अधिकारी का हलफनामा पेश करने के लिये समय मांगा। अदालत ने तीन सप्ताह के भीतर हलफनामा दाखिल करने कहा है। छा शासन, विशेष कर बिलासपुर में, कैट की स्थायी पीठ स्थापित करने के संबंध में जानकारी लेने निर्देश दिया गया है। फ़िलहाल हाईकोर्ट ने स्थायी पीठ स्थापित करने का अंतिम आदेश नहीं

दिया है। केंद्र/राज्य सरकार से स्थिति स्पष्ट करने को कहा गया है।
कोंडागांव: रावण का वध और अमृत...
आदिवासी अंचल कोंडागांव जिले (विशेष कर हिर्री, भूमका और बांस कोट गांवों) में विजयादशमी के अवसर पर रावण पुतला दहन नहीं किया जाता, अनूठी परंपरा के तहत ही प्रतीकात्मक रावणवध किया जाता है। पुतले जलाने के बजाय मिट्टी का ही विशाल रावण तैयार किया जाता है। 3 दिवसीय दशहरा उत्सव के दौरान रामलीला का मंचन होता है, अंत में तीर/बाण चला कर या विधि-विधान से रावण का वध किया जाता है, वध के



बाद रावण की नाभि से 'अमृत' निकालने की रस्म निभाई भी जाती है (पौराणिक कथा के अनुसार, रावण की नाभि में अमृत (अमृत कुंड) होने का रहस्य उसकी अमरता और युद्ध के दौरान उसकी बार-बार पुनर्जीवित होने की शक्ति से जुड़ा है) भूमका में रावण नहीं जलता, वध किया जाता है। नाभि से निकलता है 'अमृत' और ग्रामीण उस स्थान पर आस्था व्यक्त करते हैं। स्थानीय लोगों का मानना है रावण का पुतला जलाने से अनिष्ट हो सकता है, इसलिये सदियों पुरानी लोक- संस्कृति व परंपरा का पालन किया जाता है।

राष्ट्रपति नहीं पर नाम राष्ट्रपति...

छत्तीसगढ़ के मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के घुटरा गांव निवासी एक

व्यक्ति का नाम ही स्कूल के रिकॉर्ड (14 जुलाई 1988) के अनुसार 'राष्ट्रपति' दर्ज है। ब्लॉक कांग्रेस कमिटी के मनेंद्रगढ़ शहर अध्यक्ष सौरव मिश्रा ने मामले में राष्ट्रपति सचिवालय, पीएमओ में भी सूचना दी है। राष्ट्रपति सचिवालय ने इस पर संज्ञान लेते हुए संबंधित केंद्रीय विभागों, गृह मंत्रालय को भेज दिया है, इसमें मांग की गई है की भविष्य में किसी तरह का असमंजस या संवैधानिक पदों का मज़ाक न बने, इसके लिए संवैधानिक पदों, राष्ट्रीय प्रतीकों से जुड़े शब्दों को किसी व्यक्ति के व्यक्तिगत नाम के रूप में रखने पर रोक लगाने स्पष्ट कानून/नीति बनाई जानी चाहिए, इस मामले में गृह मंत्रालय संबंधित विभागों के रुख उनके निर्णय पर सबकी निगाहें टिकी हैं। केंद्र सरकार विचार कर सकती है, क्या नामकरण या पहचान से जुड़े नियमों में कोई संशोधन या दिशा निर्देश जारी करने की आवश्यकता है !



अजगर के कैसर की सफल सर्जरी...

छत्तीसगढ़ से चौंकाने वाली खबर आई है। यहां अजगर के कैसर का सफल इलाज किया गया। जानकारी के अनुसार, अंबिकापुर में 8.5 किलो के इंडियन रॉक पाइथन का रेस्क्यू किया गया, रेस्क्यू श्रेकमैन सत्यम द्विवेदी ने किया, लेकिन रेस्क्यू के बाद अजगर की जांच की गई तो डॉक्टर हैरान रह गए। अजगर के मुंह के अंदर एक बड़ी गांठ मिली, जिसे कैसर का ट्यूमर बताया गया। बेजुबान जीव दर्द से तड़प रहा था, उसकी तबलीफ डॉक्टरों ने समझी, सांप को बचाने अंबिकापुर/बिलासपुर तक सफर तय किया गया। श्रेकमैन सत्यम खुद अजगर को ले बिलासपुर पहुंचे, अजगर की जांच कानून पेंडरी में की गई, फिर डॉक्टर पीयूष दुबे की टीम ने करीब साढ़े तीन घंटे चले बेहद मुश्किल ऑपरेशन में



डॉक्टरों ने अजगर के मुंह से कैसर का ट्यूमर निकाला, ऑपरेशन बड़ा नाजुक था, छोटी सी चूक अजगर की जान भी ले सकती थी, डॉक्टरों की टीम ने हिम्मत, संवेदनशीलता से सर्जरी को सफल बनाया, सर्जरी के बाद अजगर को ड्रिप एवम विशेष देखभाल में रखा गया है।

और अब बस...

- » बस्तर के ही मुरिया दरबार में पिछले साल गृहमंत्री अमित शाह आये थे तो इस बार राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू।
- » विजयादशमी पुलिस शास्त्र पूजा में दुर्ग के एसएसपी विजय अग्रवाल का वर्दी में एसएलआर और राजनांदगाव एसपी अंकिता शर्मा का साड़ी पहनकर एके 47 चलना चर्चा में है।
- » भिलाई स्टील प्लांट को बेचे जाने की अटकलों के बीच इस्पात मंत्रालय ने हैडल एक्स पर पोस्टर कर उन खबरों में किये गये दावों को गलत बताया है।
- » छत्तीसगढ़ भाजपा की प्रभारी स्मृति ईरानी के रायपुर दौरे से पहले मंत्रियों, सांसदों, विधायकों और संगठन के पदाधिकारियों को हिदायत दी है कि वे इंटरनेट मीडिया पर व्यक्तिगत प्रचार के बजाय केंद्र, राज्य सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार करें।

एक नजर

सबसे अधिक लाभ देने वाला निवेश है पढ़ने की आदत

रायपुर, 25 अक्टूबर। आज की दुनिया में, जहाँ स्क्रीन बच्चों का ध्यान अपनी ओर खींचती हैं, वहाँ उनमें पढ़ने की आदत विकसित करना पहले से कहीं अधिक जरूरी हो गया है। किताबें बच्चों को सिर्फ शब्दों से ही नहीं, बल्कि कल्पनाओं, जिज्ञासा और सीखने की नई दुनिया से भी जोड़ती हैं। इस तरह, पढ़ने की आदत उनके भविष्य को बेहतर बनाने में अहम भूमिका निभा सकती है। इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए, भारत के पहले ऐप-आधारित बच्चों की किताबें किराए पर देने वाले प्लेटफॉर्म नीओन ने अपनी नई सेवा नीओन सीडिंग एस.आई.पी. शुरू की। यह किताबें उधार लेने के लिए ऑटो-रेन्यूअल वाला मासिक प्लान है। इस मोके पर जाने-माने लेखक अमीश त्रिपाठी, पोदार एजुकेशन नेटवर्क की अध्यक्ष डॉ. स्वाति पोपट वत्स और नीओन की संस्थापक क्रांति गडक एप फैमल चर्चा के लिए एक साथ आए। चर्चा का विषय था 'आपके बच्चे की पढ़ने की आदत- उसके भविष्य में सबसे अच्छा निवेश'। यह चर्चा मुंबई के महालक्ष्मी स्थित फ़िलोड इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित की गई।

अधन्या के नृत्य ने दर्शकों का मन मोह लिया



रायपुर, 25 अक्टूबर। रंगमंदिर, गांधी मैदान प्रेक्षागृह में आयोजित 19वें नटवर गोपीकृष्ण राष्ट्रीय नृत्य महोत्सव में नृत्यांगना अधन्या मिश्रा ने नृत्य की शानदार प्रस्तुति देकर दर्शकों का मन मोह लिया। 'मुझे रंग दे...' गाने पर अपनी नृत्य कला का अद्भुत एवं अनुपम प्रदर्शन कर अधन्या ने प्रथम पुरस्कार जीता है। ज्ञात हो कि रंगमंदिर में 26 अक्टूबर तक स्पर्धा का आयोजन किया गया है। जूनियर व सीनियर वर्ग की प्रतिभागियों ने विभिन्न नृत्य शैलियों का प्रदर्शन किया। अधन्या रायपुर की निवासी हैं। उनकी नृत्य प्रतिभा को निखारने उनकी मां दीपशिखा मिश्रा उन्हें प्रोत्साहित करती हैं। अधन्या ने भावपूर्ण अभिव्यक्ति, आकर्षक मुद्राओं व लयबद्ध पद संचलन से दर्शकों को ताली बजाने पर मजबूर कर दिया।

वोट चोरी का मुद्दा मौजूदा एसआईआर प्रक्रिया तक सीमित नहीं : शोभा बच्छाव



रायपुर, 25 अक्टूबर। वोट चोरी को लेकर लोकसभा सांसद एवं दिल्ली से आई पर्यवेक्षक शोभा बच्छाव ने कहा कि वोट चोरी का मुद्दा केवल मौजूदा SIR प्रक्रिया तक सीमित नहीं हैं, कांग्रेस ने कई चुनाव के दौरान मतदाता सूचियों में नाम जोड़ने और हटाने दोहरे पंजीकरण चुनाव संबंधी आकड़े में पारदर्शिता EVM और VVPAT की कार्यणाली तथा चुनाव आयोग के आचरण पर लगातार सवाल उठाए हैं, मूल सवाल यह हैं कि क्या प्रत्येक पात्र नागरिक अपने संवैधानिक मताधिकार का प्रयोग कर सकता है और क्या चुनाव एक निष्पक्ष संस्था कि निगरानी में करायें जा सकते हैं।

प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस के सह प्रभारी विजय जांगड़ ने कहा कि राहुल गांधी और कांग्रेस ने कथित अनियमितताओं पर सवाल उठाने के लिए बार बार निर्वाचन क्षेत्र के स्तर के आंकड़े और चुनावी तुलनाएं सार्वजनिक की हैं। इसमें 7 फरवरी 2025 को महाराष्ट्र में हुई कांग्रेस हैं।

इसके बाद भी चुनाव आयोग ने किसी भी प्रकार का सुधार नहीं किया। रायपुर जिला शहर कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष श्रीकुमार शंकर मेनन ने कहा कि 7 फरवरी 2025 की प्रेस कांग्रेस में राहुल गांधी ने विपक्षी नेताओं सुप्रिया सुले और संजय राऊत के साथ 2024के लोकसभा और महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के बीच लगभग 39 लाख मतदाताओं के जुड़ने पर सवाल उठाए। इसके मुकाबले पिछले पांच वर्षों में लगभग 32 लाख मतदाताओं जुड़े थे। कांग्रेस ने मांग की बताया जाए कि ये अतिरिक्त मतदाता कौन थे, उनका पंजीकरण कब हुआ और इतने कम समय में संख्या में इतनी तेज वृद्धि क्यों हुई। इस अंतर के आधार पर पारदर्शी और मशीन-पठनीय मतदाता आकड़े उपलब्ध कराने की मांग की गई। केवल मतदाताओं की संख्या में वृद्धि अपने आप में यह साबित नहीं करती कि अतिरिक्त पंजीकरण फर्जी थे? प्रेस वार्ता को कांग्रेस पार्टी के अन्य नेताओं ने भी संबोधित किया।

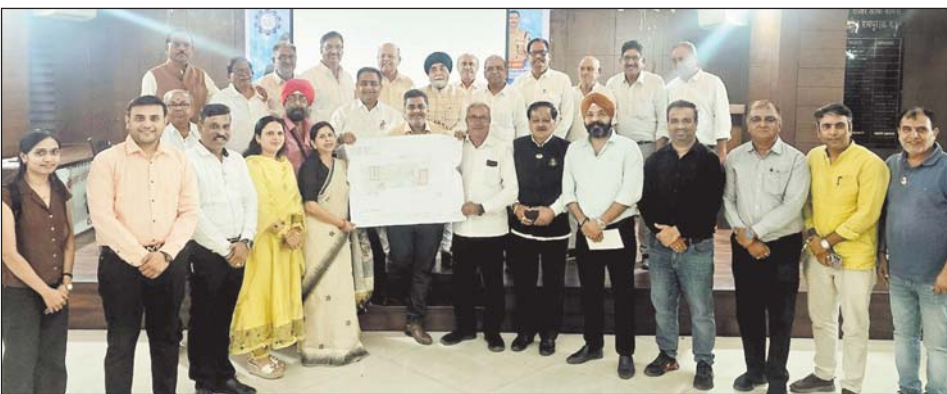
मन की बात



रायपुर, 25 अक्टूबर। विधायक सुनील सोनी ने आज रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के भाउगांव में भाजपा के साथियों एवं स्थानीय गणमान्यजन के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात के 139वें संस्करण का श्रवण किया।

चेम्बर के नए भवन के लेआउट पर चर्चा

रायपुर, 25 अक्टूबर। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष सतीश थौरानी ने नेतृत्व में चौधरी देवीलाल व्यापार उद्योग भवन, बाम्बे मार्केट, रायपुर में बैठक आयोजित हुई जिसमें नवा रायपुर में नवीन चेम्बर भवन के प्रस्तावित ले-आउट के अवलोकन एवं वरिष्ठ सदस्यों से नीतिगत मार्गदर्शन एवं सुझाव हेतु बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी ने सभी उपस्थित पदाधिकारियों को जानकारी दी कि छत्तीसगढ़ शासन द्वारा नवीन चेम्बर भवन के लिये नवा रायपुर सेक्टर-24



में भूमि का आबंटन किया गया है, जिसका शासन के सहयोग से विधिवत रजिस्ट्री हो चुकी है। नये भवन हेतु 30 वर्ष के लिये लीज का भुगतान भी चेम्बर द्वारा कर दिया गया है। उक्त नवीन चेम्बर भवन के लिये ले-आउट

तैयार किया जा चुका है ताकि जल्द ही नवीन चेम्बर भवन का निर्माण किया जा सके। चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष थौरानी ने चेम्बर के वरिष्ठ सदस्यों से अनुरोध किया कि वे नवीन चेम्बर भवन के ले-आउट के संबंध में अपना मार्गदर्शन एवं सुझाव दें।

बैठक में उपस्थित सभी वरिष्ठ जनों ने प्रस्तावित ले-आउट के संबंध में अपना विचार व्यक्त करते हुए चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी को बधाई देते हुए कहा कि यह चेम्बर की बहुत बड़ी उपलब्धि है। वर्तमान परिस्थिति को देखते हुए सर्वसुविधायुक्त चेम्बर भवन का निर्माण बहुत ही आवश्यक है।

राजधानी पहुंचने पर स्मृति का बिना पोस्टर-बैनर के स्वागत



रायपुर, 25 अक्टूबर। भाजपा छत्तीसगढ़ प्रदेश प्रभारी बनने के बाद स्मृति ईरानी आज पहली बार छत्तीसगढ़ पहुंचीं। रायपुर एयरपोर्ट पर सांसद बृजमोहन अग्रवाल, राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा, विधायक राजेश मृगत और रायपुर महापौर मीनल चौबे ने स्वागत किया। एयरपोर्ट से स्मृति ईरानी बाजपा प्रदेश कार्यालय पहुंचीं, जहां स्वागत और मुलाकात करने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय भी पहुंचे।

स्मृति ईरानी के दो दिवसीय छत्तीसगढ़ दौरे को लेकर भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं में उत्साह है। होडिंग और बैनर लगाए जाने से मना करने के बाद राजधानी में जगह-जगह भाजपा के झंडे नजर आ रहे हैं। ऐसा पहली बार हो रहा है, जब किसी बड़े नेता के आगमन पर स्वागत के लिए बैनर-पोस्टर नहीं लगे हैं। यही नहीं भाजयुमो

ने इस अवसर पर बाइक रैली का भी आयोजन रखा था, जिसे देर रात को रद्द कर दिया गया।

स्मृति ईरानी के छत्तीसगढ़ आगमन पर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि स्मृति ईरानी का हम बहुत-बहुत स्वागत करते हैं। अभिनंदन करते हैं। उनके नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी और मजबूत होगी। सरकार संगठित होगी और अच्छा काम करेगी।

स्वागत में पोस्टर-बैनर नहीं लगाए जाने पर सांसद अग्रवाल ने कहा कि स्वागत के कंपटीशन में कार्यकर्ता उलझ जाते हैं। कार्यकर्ता संगठन का काम करें। कार्यकर्ता संगठन को आगे बढ़ाने के लिए काम करें। वहीं राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा ने कहा कि स्मृति ईरानी रायपुर पहुंची हैं। आज कई बैठक भी होंगी। छत्तीसगढ़ में और मजबूती से कार्यकर्ता काम करेंगे।

जनजातीय कला, संस्कृति व हुनर को मिलेगा नया बाजार : नेताम

रायपुर, 25 अक्टूबर। जनजातीय कार्य मंत्री रामविचार नेताम ने राजधानी रायपुर के टाउन हॉल में भारतीय जनजातीय सहकारी विपणन विकास संघ (ट्रायफेड) द्वारा आयोजित 'आदि बाजार 2026' का शुभारंभ किया। जनजातीय कला, संस्कृति, पारंपरिक शिल्प और हस्तनिर्मित उत्पादों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित यह बाजार 2 नवंबर 2026 तक चलेगा। इस आयोजन के माध्यम से विभिन्न राज्यों के जनजातीय शिल्पकारों, कारीगरों और कलाकारों को अपने उत्पादों के प्रदर्शन एवं विक्रय के लिए एक साझा मंच उपलब्ध कराया गया है।

मंत्री नेताम ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि जनजातीय समाज की कला, संस्कृति और पारंपरिक हुनर हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की अनमोल धरोहर हैं। जनजातीय कारीगरों के उत्पादों को उचित बाजार उपलब्ध कराना उनके आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि आदि बाजार जैसे आयोजनों से जनजातीय शिल्पकारों और कारीगरों की मेहनत को उचित मूल्य मिलने के साथ ही उनके उत्पादों का व्यापक प्रचार-प्रसार भी होता है।

मंत्री नेताम ने कहा कि देश के विभिन्न राज्यों से आए जनजातीय कलाकारों और शिल्पकारों को एक मंच पर अपनी कला का प्रदर्शन करने का अवसर मिलना अत्यंत सराहनीय है। इससे न केवल पारंपरिक कला और शिल्प को नई पहचान मिलती है, बल्कि विभिन्न राज्यों के कारीगरों को एक-दूसरे की कला, तकनीक और हुनर को जानने तथा सीखने का अवसर भी प्राप्त होता है। इस प्रकार के आयोजन सांस्कृतिक आदान-प्रदान के साथ ही जनजातीय समुदायों के बीच आपसी जुड़ाव को भी मजबूत करते हैं।



आदि बाजार जनजातीय शिल्पकारों के उत्पाद को नई पहचान दिलाने और आजीविका बढ़ाने में महत्वपूर्ण

नेताम ने कहा कि जनजातीय कारीगरों की प्रतिभा और परिश्रम से निर्मित उत्पादों की अपनी विशिष्ट पहचान है। आवश्यकता है कि इन उत्पादों को व्यापक बाजार और बेहतर विपणन सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, ताकि कारीगरों को उनकी मेहनत का वाजिब दाम मिल सके। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आदि बाजार 2026 जनजातीय शिल्पकारों के उत्पादों को नई पहचान दिलाने और उनकी आजीविका के अवसरों को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मंत्री नेताम ने इस आयोजन के लिए ट्रायफेड एवं संबंधित अधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि ऐसे प्रयासों से जनजातीय कला और संस्कृति के संरक्षण के साथ-साथ स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहन मिलेगा तथा जनजातीय परिवारों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी।